Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 146
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-गुरूवार,25 सितम्बर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी में नवरात्र से पहले छात्रवृत्ति वितरण का ऐतिहासिक 4 अरुणाचल में ओजु प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी, मोदी ने 5 रैपर बादशाह को ये क्या हुआ?

लद्दाख में भड़का प्रदर्शन

छात्रों ने बीजेपी दफ्तर और सीआरपीएफ की गाड़ी को लगाई आग

लेह (एजेंसी)। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर बुधवार को लेह में जमकर हंगामा हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में सैकड़ों छात्र सड़कों पर उतर आए और इस दौरान उनकी पुलिस के साथ हिंसक झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय में आग लगा दी और सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) के एक वाहन को भी फूंक दिया। लद्दाख के लोग लंबे समय से अपनी जमीन, संस्कृति और संसाधनों की सुरक्षा के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा और संवैधानिक संरक्षण की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर सरकार द्वारा कोई ठोस कदम न उठाए जाने से लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। इसी गुस्से के चलते सैकड़ों छात्र लेह की सड़कों पर उतर आए और उन्होंने विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने लेह स्थित बीजेपी कार्यालय पर हमला किया और उसमें आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पत्थर भी फेंके जिसके जवाब में पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठीचार्ज करना पड़ा। लद्दाख में इस तरह की हिंसा की यह पहली घटना है। बता दें कि पिछले दो हफ्तों से सोनम वांगचुक अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को लद्दाख के लोगों की मांगों पर ध्यान देना चाहिए। यह आंदोलन तब और तेज हो गया जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। हिंसा के बाद अब केंद्र सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 6 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए एक बैठक बुलाई है जिसमें उनकी मांगों पर चर्चा की जाएगी।

उत्तराखंड में किसानों को बड़ा तोहफा, सुगंध क्रांति नीति से मिलेगी 80% सब्सिडी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने मंगलवार को राज्य सुगंध क्रांति नीति 2026-2036 को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य राज्य भर में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में रोडमैप को अंतिम रूप दिया गया, जिसके तहत 22,750 हेक्टेयर भूमि पर सुगंधित फसलों की खेती का लक्ष्य रखा गया है, जिससे पहले चरण में लगभग 91,000 किसानों को लाभ मिलेगा। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया उत्तराखंड सुगंध क्रांति नीति 2026-2036 के तहत, पहले चरण में 91,000 लाभार्थियों के माध्यम से 22,750 हेक्टेयर भूमि को सुगंधित फसलों से आच्छादित करने का लक्ष्य है। नीति के अनुसार, किसानों को एक हेक्टेयर तक की खेती की लागत पर 80 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। एक हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। इस कदम से राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, मंत्रिमंडल ने पाँच निःशुल्क शैक्षिक टीवी चैनलों के स्टूडियो स्थापित करने हेतु आठ नए पदों के सृजन को मंजूरी दी। ये चैनल राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा पीएम ई-विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित किए जा रहे हैं। इस कदम का उद्देश्य डिजिटल शिक्षा के सुचारू संचालन और बेहतर पहुँच को सुनिश्चित करना है।

सावरकर मानहानि मामला: पुणे कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ सत्यकी सावरकर की एक याचिका खारिज की

पुणे (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ लंदन में एक भाषण के दौरान विनायक दामोदर सावरकर की कथित रूप से मानहानि करने के मामले में, पुणे की विशेष सांसद-विधायक अदालत ने बुधवार को शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर द्वारा दायर एक याचिका खारिज कर दी। सावरकर ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह राहुल गांधी के लंदन भाषण के वीडियो को यूट्यूब से न हटाने का निर्देश दे और विश्रामबाग पुलिस द्वारा इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से तैयार की गई तकनीकी जांच रिपोर्ट मंगवाए। याचिका का विरोध करते हुए, राहुल गांधी के वकील मिलिंद दत्तात्रेय पवार ने तर्क दिया कि वर्तमान में साक्ष्य दर्ज किए जा रहे हैं और इस समय अदालत को पुलिस जांच रिपोर्ट मांगने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि यह एक आपराधिक मामला है, इसलिए अदालत यूट्यूब वीडियो को हटाने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी नहीं कर सकती।

एकजुटता की शक्ति ही पीडीए की क्षतिपूर्ति और हिफाजत कर सकती है: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। पंजाब में रहने वाले यादव जाति के लोगों द्वारा पिछड़ा वर्ग से निकाल कर अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने की मांग पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र में जन्मी पीडीए की जनचेतना पिछड़ेपन से बाहर निकलने की आवाज बन चुकी है। एकजुटता की शक्ति ही उनकी क्षतिपूर्ति और हिफाजत कर सकती है। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लिखा कि उप्र से जन्मी पीडीए की जनचेतना अब पूरे देश के पीड़ित, दुखी, अपमानित समाज के लिए अपने सम्मान, अधिकार, आरक्षण, पिछड़ेपन के दंश व दमित स्तर से उबरने के लिए संघर्ष की नयी आवाज बन गयी है। जो लोग जहाँ भी संख्या में कम हैं वो भी जान गये हैं कि एकजुटता की शक्ति ही उनकी संख्या की कमी की क्षतिपूर्ति करने में सक्षम होगी और उनके हक की हिफाजत करने में भी। अखिलेश ने कहा है कि पीडीए उन अंतिम लोगों के स्वाभिमान-स्वमान के नवजागरण का नाम है। जिनके हिस्से ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा और उत्पीड़न ही आया है, और ऐसे लोग हर समाज में हैं। इसीलिए जो पीड़ित वो पीडीए के सैद्धांतिक सूत्र से एक-सूत्र हुए पीडीए समाज ने एक साथ मिलकर अब ये संकल्प उठाया है कि पीडीए का परचम पूरे देश में लहराएंगे, हम अपनी पीडीए सरकार बनाएंगे। वहीं एक दिन पूर्व गोंडा के स्थानीय विधायक और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि के बीच जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर जनसम्पर्क के दौरान हुए बवाल को लेकर भी अखिलेश यादव ने निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने कहा है कि जब डबल इंजन टकराएंगे तो डिब्बे क्यों नहीं। भाजपा के कार्यकर्ता अपने ऊपरवालों से दुष्प्रेरित हैं और उनसे भी जो सड़कों पर लड़ते मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इन हालातों में तो सफेद टेबल पर बैठाकर समझौता भी नहीं करवाया जा सकता है और न ही वीडियो के बाहर आ जाने के बाद बयान बदलवाया जा सकता है। भाजपाई करें तो करें क्या। भाजपा जाए तो सिर-फुटव्वल रुक जाए।

नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है, वह अब उन्हें बोझ मानने लगी है- खरगे

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हो रही है। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। बैठक की शुरूआत के अपने संबोधन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि एनडीए में आंतरिक कलह अब खुलकर सामने आ गया है। नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है। भाजपा अब उन्हें बोझ मानने लगी है। उन्होंने कहा कि पटना में हो रही सीडब्ल्यूसी की यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण है। हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर भारत एक बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। आज जब वोटर लिस्ट से आधिकारिक रूप से छेड़छाड़ किया जा रहा है तो आवश्यक है कि हम लोकतंत्र की जननी बिहार में अपनी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग आयोजित करके इस देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाए रखने की अपनी प्रतिज्ञा को पुनः दोहराएं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने जनवरी 2024 में नीतीश कुमार को फिर से समर्थन देकर बिहार में एनडीए सरकार बनाई।

सीआईडी को सबूत कब दे रहे हैं ज्ञानेश कुमारः राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कोष्वोट चोरीश के मुद्दे पर घेरते हुए बुधवार को उन पर फिर निशाना साधा और कहा कि यह अच्छी बात है कि उनकी सलाह पर वह मतदाता सूची को ज्यादा पारदर्शी बना रहे हैं लेकिन यह भी बताएं कि वोट चोरी करने वालों को कब पकड़ेंगे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा ज्ञानेश जी, हमने चोरी पकड़ी तब आपको ताला लगाना याद आया-अब चोरों को भी पकड़ेंगे। तो बताइए, सीआईडी को सबूत कब दे रहे हैं आप। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग के बाहर की तस्वीर के साथ अखबार में छपी एक खबर को भी पोस्ट किया है जिसका शीर्षक है श्राहुल के अलंद में वोट गड़बड़ी के खुलासे के बाद चुनाव आयोग ने ऑनलाइन वोटर डीलिसन के लिए आधार लिंक से जुड़े फोन की सेवा को जरूरी बताया।

महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में उपस्थित महिलाओं की चिकित्सा जांच करते हुये चिकित्सक

गोरखपुर, : ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर के झिंगरन मेमोरियल हॉल में 24 सितम्बर,2025 को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अन्तर्गत महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे चिकित्सकों के अतिरिक्त अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,गोरखपुर की चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच एवं उनकी काउन्सिलिंग की गई। इस अवसर पर ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय,गोरखपुर के चिकित्सा निदेशक डा0 मोहम्मद ए.ए.खान, विभागाध्यक्ष कम्प्यूनिटी मेडिसीन/एम्स डा0 आनन्द दीक्षित द्वारा इस अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। शिविर में अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/गायनी डा0 तनु वर्मा, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/पीडियाट्रिक डा0 उमेश मौर्या, सहायक नर्सिंग अधिकारी श्री अवधेश कुमार, सहायक फार्मेसी अधिकारी एवं अन्य चिकित्साकर्मी उपस्थित रहे। शिविर में कुल 92 महिलाओं की जांच की गई। इस दौरान उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, एनीमिया, छय रोग एवं सिकल सेल एनीमिया डिजीज सहित विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग की गई तथा महिलाओं को स्वास्थ्य परामर्श भी दिया गया। इस प्रकार के शिविरों से महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी, रोगों की समय पर पहचान होगी तथा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवारह्यह्य का संदेश समाज में प्रसारित होगा। ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय परिवार में इस आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर की टीम और सभी प्रतिभागियों के प्रति चिकित्सा निदेशक ने आभार व्यक्त किया।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस को स्वीकृति दी

गोरखपुर: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 10 लाख 91 हजार 146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के रूप में 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स?वीकृति दी। रेलवे कर्मचारियों के बेहतर कामकाज को मान?यता देते हुए यह मंजूरी दी गई है। प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस का भुगतान किया जाता है। इस वर्ष भी, लगभग 10 लाख 91 हजार अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है। रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार हेतु रेल कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में पीएलबी भुगतान किया जाता है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपये है। यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप-सी कर्मचारियों को दी जाएगी। वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढुलाई की और लगभग 7.3 बिलियन यात्रियों को गंत०?य स?थल तक पहुंचाया।

ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन रेल संरक्षा को ध्यान में रखते हुये उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद स्टेशनों के मध्य पुल संख्या-141 बी पर री-गर्डरिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-दौराई से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15091 दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग दिल्ली सराय रोहिला-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली स्टेशन पर नही रहेगा।

-दिल्ली से 23 नवम्बर,2025 को चलने वाली 12036 दिल्ली-टनकपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी।

-लालगढ़ से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग शकूर बस्ती-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली स्टेशन पर नही रहेगा।

-कटिहार से 21 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली सब्जी मण्डी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली शाहदरा एवं दिल्ली स्टेशन पर नही रहेगा।

-काठगोदाम से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15014 काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली सराय रोहिल्ला के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली स्टेशन पर नही रहेगा।

-प्रयागराज जं0 से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 14117 प्रयागराज जं0-भिवानी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली किशनगंज के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली शाहदरा एवं दिल्ली स्टेशन पर नही रहेगा।

-आजमगढ़ से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 12225 आजमगढ़-दिल्ली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली के रास्ते चलाई जायेगी।

नियंत्रण-

-छपरा से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15115 छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस साहिबाबाद में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

इस गाड़ी का गोरखपुर से कामाख्या के बीच समय यथावत रहेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु 15078 गोमतीनगर-कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस के गोमतीनगर से गोरखपुर के मध्य समय में01 दिसम्बर,2025 से निम्नवत परिवर्तन किया गया है। 15078 गोमतीनगर-कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस 01 दिसम्बर,2025 से परिवर्तित समयानुसार गोमतीनगर से 10.30 बजे प्रस्थान कर गोण्डा से 12.30 बजे, बस्ती से 13.37 बजे, गोरखपुर से 15.05 बजे छूटकर पूर्व निर्धारित समयानुसार निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन कामाख्या 14.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी का गोरखपुर से कामाख्या के बीच समय यथावत रहेगा।

रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। इसी परिप्रेक्ष्य में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 11 से 22 सितम्बर,2025 तक गोरखपुर से बस्ती, गोरखपुर से गोण्डा, गोरखपुर से सिसवा बाजार, गोरखपुर से सीवान एवं गोरखपुर से बेलथरा रोड रेल खंड में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया

तीन अंतरराज्यीय असलहा तस्कर अरेस्ट, 10 पिस्टल और 15 मैगजीन बरामद

वाराणसी। एसटीएफ की वाराणसी टीम ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों मिलकर असलहा सप्लाई करते थे। पुलिस इनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। यूपी एसटीएफ ने अंतरराज्यीय असलहा तस्कर गिरोह के तीन आरोपियों को सारनाथ क्षेत्र के फरीदपुर रिंग रोड अंडरपास से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 10 पिस्टल और 15 मैगजीन मिले हैं। पिस्टल .32 बोर के हैं। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के कुंडेसर चंदनी निवासी प्रशांत राय उर्फ जीतू, बिहार बक्सर के सेमरी थाना क्षेत्र के गंगौली निवासी राहुल ठाकुर और

गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र के हुत्सेपुर कोठियां निवासी मुकुंद प्रधान गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने की कार्रवाई एसटीएफ फील्ड इकाई के निरीक्षक पुनीत परिहार ने बताया कि प्रशांत राय मनबढ़ अपराधी है। प्रशांत अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट करता था। उसका संपर्क गांव के पास के ही मलीकपुरा निवासी असलहा तस्कर सुभाष पासी से हो गया। प्रशांत ने .32 बोर की पिस्टल सुभाष पासी से खरीदी। प्रशांत के दोस्त अखंड राय निवासी करीमुद्दीनपुर गाजीपुर ने अपने दो अन्य साथियों को कारतूस दिलाने के लिए संपर्क किया। सुभाष से 20 कारतूस दिलवाए। अखंड के साथ दोनों लड़कों के माध्यम से प्रशांत राय की जान पहचान मध्य प्रदेश के खंडवा के कुख्यात असलहा तस्कर विष्णु सरदार से हुई। राहुल और मुकुंद को प्रति चक्कर देता था 4-5 हजार रुपये एसटीएफ टीम के अनुसार, प्रशांत के जरिये विष्णु सरदार से 20-25 हजार रुपये प्रति असलहा खरीदकर गाजीपुर और आसपास के जनपदों, बिहार के सीमावर्ती जनपदों में 40-50 हजार रुपये में बेचा जाता है। प्रशांत अपने साथी राहुल ठाकुर और मुकुंद प्रधान के माध्यम से असलहा मंगाता है। प्रति चक्कर 4-5 हजार रुपये उन्हें देता है। अब तक कई बार असलहा मंगवाकर तस्करों को सप्लाई कर चुका है।

लखनऊ जं0 के निकट रेलवे कालोनी में स्काउट/ गाइड एवं स्वच्छताकर्मी स्वच्छता का संदेश देते हुये

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के आठवें दिन 24 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर एवं रेलवे कालोनियों में स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अन्तर्गत स्टेशनों पर प्लेटफार्म, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतिक्षालय, कार्यालयों तथा ट्रैक के किनारों की सफाई की गई तथा स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों, कर्मचारियों एवं रेलवे कालोनी वासियों को जागरूक किया गया। 24 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं., गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, खलीलाबाद, ऐशबाग स्टेशनों पर रेलवे प्लेटफार्म, रेल परिसरों, कार्यालयों एवं रेलवे ट्रैकों की सफाई की गयी। पर्यावरण संरक्षण हेतु स्टेशनों पर प्लास्टिक के पूर्ण निषेध से सम्बन्धित बैनर एवं पोस्टरो के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकाली गयी। विभिन्न स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। वाराणसी मंडल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों के निकट रेलवे कालोनियों में रेलकर्मियों द्वारा डोर-टू-डोर जाकर स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचड़े के पृथक्कीकरण हेतु अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा डस्टबिन की सफाई की गई। स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल पर काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआं, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत, कासगंज, फरूर्खाबाद, फतेहगढ़ एवं कन्नौज स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

दीपावली तक ग्रामीण रूटों पर दौड़ने लगेंगी छोटी बस

कानपुर। परिवहन निगम के अधिकारियों ने बताया कि कानपुर से बिल्हौर और माती रूट पर बसों की मांग अधिक रहती है। इसलिए माती, कानपुर, झांसी, लखनऊ रूट पर बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कानपुर में ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के लिए खुशखबरी है। दीपावली तक इन रूटों पर परिवहन निगम 40 छोटी बसें संचालित करने लगेगा। राज्य सरकार की पहल पर 42 सीटर नई बसों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का रूट प्लान फाइनल कर लिया गया है। मंगलवार तक कुल 20 नई बसें विकास नगर स्थित डिपो में पहुंच गईं, जबकि शेष 20 अगले सप्ताह तक आ जाएंगी। दो बसें कानपुर से भीतरगांव और घाटमपुर रूट पर चल रही हैं। इन

अभी चार छोटी बसों का संचालन उन्नाव-कानपुर-आगरा और उन्नाव-कानपुर-लखनऊ रूट पर हो रहा है। किदवईनगर डिपो से भी नई 40 बसों के आने के बाद कानपुर देहात के झींझक, मंगलपुर, रसूलाबाद, मैथा, चांदपुर जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण रूटों पर इन्हें भेजा जाएगा। परिवहन निगम के अधिकारियों ने बताया कि कानपुर से बिल्हौर और माती रूट पर बसों की मांग अधिक रहती है। इसलिए माती, कानपुर, झांसी, लखनऊ रूट पर बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। गांव और कस्बों में छोटी बसों का संचालन शुरू होने से ग्रामीणों का शहर तक आवागमन आसान हो जाएगा। अभी 20 छोटी बसें आ गई हैं, शेष भी जल्द आ जाएंगी। इनके संचालन के लिए रूट प्लान फाइनल हो गया है। दीपावली तक ग्रामीणों को बस परिवहन सुविधा का लाभ मिलने लगेगा।

बिजली का तार टूटकर पानी में गिरा, स्कूल सो लौट रही दो सगी बहनों की मौत

बलिया। बलिया जिले में दो सगी बहनों की बिजली के करंट की जद में आने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। बेटियों की मौत से मां को सदमे में है। बलिया जिले में सुखपुरा थाना क्षेत्र के जिला बस्ती के पास सेंट जेवियर्स स्कूल से घर लौट रही दो सगी बहनों की करंट लगने से मौत हो गई। इनमें एक अलका यादव कक्षा 7 व आंचल यादव (17) कक्षा 9 की छात्रा थी। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं दोनों बेटियों की मौत से मां सदमे में है। कैसे हुआ हादसा सड़क से लेकर कॉलोनी तक तीन फुट बरसात का पानी लगा हुआ है, जहां से होकर रोज मोहल्ले के लोग आते जाते हैं। बुधवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद पानी से होकर दोनों बहनें गुजर रही थीं। इस दौरान बिजली का तार टूटकर पानी में गिरने से दोनों करंट की जद में आने से बेहोश हो गईं। आनन- फानन आसपास के लोगों ने दोनों बहनों को बाहर निकाल कर सीपीआर देकर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर लगते ही जिला अस्पताल में कॉलोनी के लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं जानकारी होने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मोहल्लेवासी बिजली विभाग व स्थानीय कर्मियों की लापरवाही का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग को लेकर पोस्टमार्टम कराने से रोक दिया।

संक्षिप्त खबरें

दलहन-तिलहन के लिए बंटेगी निशुल्क मिनी किट

बस्ती। रबी विपणन वर्ष में दलहन, तिलहन की फसल को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को निशुल्क मिनी बीज किट दी जाएगी। किसानों से 25 सितंबर तक आवेदन मांगा गया है। अभी तुाई, चना, मटर के बीज के लिए ज्यादातर आवेदन आए हैं। सरसों और मसूर की खेती के लिए किसानों में उत्साह कम है। इस बार सरसों की खेती के लिए 5700 मिनी किट बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक किट में एक एकड़ भूमि के लिए दो किग्रा बीज उपलब्ध रहेगा। यह किसानों को निशुल्क उपलब्ध मिलेगा। अभी 400 किसानों ने आवेदन किया है। दो दिन आवेदन की तिथि और शेष है। यहां सर्वाधिक तुरई की खेती होती है। इसकी बुआई सरसों से पहले की जाती है। इसके लिए 800 मिनी किट बांटी जाएगी। इतने किसानों ने इस मिनी किट के लिए आवेदन भी कर दिया है। जबकि चना और मटर की भी 300- 300 मिनी किट वितरित की जाएंगी। इसकी भी बुकिंग पूरी हो चुकी है। मसूर की 175 किट बंटनी है। लेकिन, केवल 50 किसानों ने ही बुकिंग की है। मिनी किट बीज वितरण इस बार ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक किसान 25 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। यदि लक्ष्य से अधिक बुकिंग होगी तो लॉटरी पद्धति के आधार पर किसानों को मिनी किट वितरित किया जाएगा।

अजगैवा जंगल ग्राम पंचायत की सड़क गड्ढों में तब्दील

बस्ती। ब्लॉक के अजगैवाजंगल ग्राम पंचायत को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। स्थानीय लोगों और छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अगस्त में छात्रों ने प्रदर्शन भी किया था, लेकिन अबतक सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। लोक निर्माण विभाग ने अजगैवाजंगल-सुकरौली संपर्क मार्ग का निर्माण किया है। इसका बड़ा हिस्सा प्रधान मंत्री सड़क योजना के तहत बन चुका है। विभाग ने गड्ढों को भरने के लिए दो ट्रक पत्थर और ईंटें गिराकर खानापूरी की। इससे सड़क के गड्ढे भरे भी नहीं और आने-जाने वाले लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। गांव के सुरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि लगभग दस हजार की आबादी इस सड़क का नियमित उपयोग करती है। अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग ने केवल गिट्टी डालकर कोरम पूरा किया, लेकिन गड्ढे अब भी भरे नहीं गए। स्थानीय ग्रामीणों गणेश मौर्य, तारा प्रसाद, गिरजेश मौर्य और पंडोही मौर्य ने सड़क निर्माण की मांग करते हुए कहा कि यह सड़क ग्रामीणों और छात्र-यात्रियों के लिए जीवनदायिनी है और इसकी उपेक्षा से लोग जोखिम में हैं। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता सुनील दत्त ने बताया कि ठेकेदार को निर्देश दे दिया गया है और जल्द ही गिट्टी को गड्ढों में भरकर सड़क को सुरक्षित बनाया जाएगा।

आयुर्वेद दिवस पर जड़ी-बूटी के बताए गए फायदे

बस्ती। आयुर्वेद दिवस पर मंगलवार को जिलेभर में आयोजन हुआ। पटेल एसएमएच हास्पिटल एंड आयुर्वेदिक पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में संगोष्ठी हुई। जड़ी-बूटी के फायदे बताए गए। डॉ. वीबी वर्मा और डॉ. दीपिका गुप्ता ने आयुर्वेद के बारे में बताया। डॉ. वीके वर्मा ने कहा कि आयुर्वेद व्यक्ति-केंद्रित, प्रकृति-आधारित उपचारों पर जोर देता है। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है और पाचन बेहतर होता है। डॉ. आलोक रंजन वर्मा ने अतिथियों और छात्रों का स्वागत किया। प्राचार्य आयुर्वेद डॉ. चंदा सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, हिमांशी वर्मा, डॉ. लालजी, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, शिव प्रसाद चौधरी, उत्कर्ष दूबे, रितेश चौधरी, राजेश सिंह, रामस्वरूप, सतीश, शिव शंकर, बीरेन्द्र वर्मा, गोल्डी, फूलपती, रंजना, मनीषा, शालू, साजिया, माया, आदित्य उपाध्याय मौजूद रहे। वहीं, 50 शैय्या आयुर्वेदिक अस्पताल बखरिया में आयुर्वेद दिवस पर आयोजन हुआ। डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने आयुर्वेद पद्धति से किए जाने वाले उपचार के फायदे बताए। कैंप में जांच हुई और दवाएं दी गई।

ट्रांसफॉर्मरों में लगाए हाईटेक सुरक्षा कवच

बस्ती। जिले में विद्युत निगम ने 63 केवी से लेकर 630 केवी तक के ट्रांसफार्मरों में सुरक्षा कवच (प्रोटेक्शन यंत्र) लगाने की पहल शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत ट्रांसफार्मर से जुड़ी हाईटेंशन (एचटी) और लो-टेंशन (एलटी) लाइनों में अलग-अलग फ्यूज लगाए जा रहे हैं। इस पहल से उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति में स्थिरता मिलेगी और फाल्ट होने पर केवल प्रभावित लाइन की आपूर्ति बाधित होगी, जबकि अन्य लाइनों पर बिजली सुचारू रूप से बनी रहेगी। इसके लगने से यदि किसी लाइन में ट्रिपिंग, स्पार्किंग या कोई अन्य फाल्ट होता है, तो केवल उसी लाइन का फ्यूज काम करना बंद कर देगा और अन्य लाइनों की बिजली आपूर्ति बनी रहेगी। इससे अब तक होने वाली समस्या का समाधान हो जाएगा, जब किसी फाल्ट के कारण पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती थी। इस नई व्यवस्था से मोहल्लों में लगे ट्रांसफार्मरों से लेकर उपकेंद्र तक कुल 4500 ट्रांसफार्मर आच्छादित किए जा चुके हैं। साथ ही, 500 एमवीए क्षमता वाले उपकेंद्र ट्रांसफार्मरों पर भी यह प्रोटेक्शन यंत्र लगाया जा रहा है।

आईजीआरएस के मामलों को लेकर डीएम ने दी हिदायत

बस्ती। आईजीआरएस प्रकरण के निस्तारण में तेजी नहीं आ पा रही है। मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की साप्ताहिक समीक्षा हुई। डीएम ने लंबित शिकायतों को लेकर अधिकारियों को हिदायत दी। डीएम ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज सभी शिकायतों का निस्तारण समय सीमा में होना चाहिए। गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा की गई। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या अधिक थी, उन्हें शीघ्रातिशीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति, डीडीओ अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार आदि मौजूद रहे। संवाद आवास योजना में वसूली की दर्ज कराएं शिकायत बस्ती। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं। पीओ डूडा सुनीता सिंह ने बताया कि योजना निशुल्क है। आवेदन पत्रों की जांच के लिए टीम लगी है।

भाकियू की मांग पूरी न होने पर किसानों में उबाल, बड़ा आंदोलन की चेतावनी

बस्ती। दुबौलिया विकास क्षेत्र भेलमापुर में गन्ना क्रय केंद्र खोलने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ताओं का धरना मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा। किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है और उन्होंने बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। हरैया तहसील नायब तहसीलदार शालिनी पटेल और एसडीएम सत्येंद्र सिंह ने किसानों से मिलकर उनकी मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया। भाकियू के तहसील अध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा कि किसान तब तक धरने से नहीं हटेंगे जब तक क्रय केंद्र नहीं खोला जाता।

सीएम सिद्धारमैया ने विप्रो प्रमुख से क्यों मांगी ट्रैफिक जाम समस्या को कम करने के लिए मदद ?

नई दिल्ली , 2 कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विप्रो के संस्थापक को ट्रैफिक समस्या कम करने के लिए खास अपील की है।उन्होंने विप्रो के कैंपस में सीमित वाहनों की आवाजाही की इजाजत देने का आग्रह किया है, ताकि बंगलूरू के आउटर रिंग रोड पर ट्रैफिक जाम को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सके। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी से एक अहम गुजारिश की है।उन्होंने अनुरोध किया है कि बंगलूरू आउटर रिंग रोड पर बढ़ते जाम को कम करने की पहल के तहत कंपनी अपने कैंपस में वाहनों की सीमित आवाजाही की अनुमति दे।मुख्यमंत्री का कहना है कि इस कदम से ट्रैफिक का दबाव घटेगा और आईटी कॉरिडोर में सफर करने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। आउटर रिंग रोड पर बढ़ती भीड़ गंभीर समस्या सिद्धारमैया ने कंपनी के फाउंडर अजीम प्रेमजी को लिखे पत्र में आउटर रिंग रोड (डफ्फ) पर बढ़ती भीड़भाड़, खासकर इब्लुर जंक्शन के पास, को गंभीर समस्या बताया।

यूपी में नवरात्र से पहले छात्रवृत्ति वितरण का ऐतिहासिक फैसला, कल सीएम करेंगे शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने छात्र हित में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने इस वर्ष छात्रवृत्ति को समय से पहले जारी करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आमतौर पर फरवरी-मार्च में वितरित की जाने वाली छात्रवृत्ति इस बार नवरात्र (सितंबर) में ही छात्रों को दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 26 सितंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, जूपिटर हॉल में इस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। वर्ष 2024 में जहां पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के 59 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला था, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक होने का अनुमान है। छात्रवृत्ति वितरण की प्रक्रिया को अधिक सुचारु बनाने के लिए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर संयुक्त रणनीति तैयार की है। इस विषय पर बोलते हुए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि, छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं है, यह आत्मनिर्भरता का प्रतीक और शिक्षा में प्रेरणा का माध्यम है। उन्होंने आगे कहा, सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई न छोड़े।

सीएम योगी ने अस्पताल में ओम प्रकाश राजभर से की मुलाकात

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में जाकर वहां भर्ती कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। मुलाकात के दौरान योगी के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। राजभर के दोनों बेटों अरविंद राजभर और अरुण राजभर से पूरी जानकारी ली और अस्पताल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेदांता अस्पताल में भर्ती प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। उनके भर्ती होने की सूचना पाकर सरकार के कई मंत्री

उनसे मिलने अस्पताल पहुँच चुके हैं। उनके भर्ती होने की सूचना पाकर अस्पताल में सरकार के कई मंत्रियों ने पहुंच कर उनके इलाज के बारे में जानकारी लेते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। गौरतलब है कि उप्र सरकार के पंचायती राज मंत्री व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को चक्कर आने और चलने में दिक्कत की शिकायत पर रविवार शाम को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक उन्हें लेकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। जहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। इस बीच देर शाम को उन्हें मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया। मेदांता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि राजभर को माइनर स्ट्रोक की समस्या है जिसका इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

51 शक्तिपीठ मे माता का हुआ नारंगी श्रृंगार

लखनऊ (संवाददाता)। नंदना बीकेटी स्थित इक्यावन शक्तिपीठ में शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन बुधवार को मां चंद्रघंटा का नारंगी श्रृंगार किया गया। मंदिर की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि नारंगी रंग ऊर्जा, उत्साह, शक्ति और बल का प्रतीक है। माँ चंद्रघंटा के इस श्रृंगार से साधक को जीवन में निर्भयता, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। आचार्य ने पिंडी पूजन के बाद हवन किया।

महानगर रामलीला कल से, तैयारियां तेज,5 से बढ़कर 8 दिनों की हुई रामलीला

लखनऊ (संवाददाता)। श्री रामलीला समिति महानगर द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रामलीला महोत्सव का आयोजन 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रतिदिन सांय 8.30 से किया जायेगा। अध्यक्ष ललित मोहन जोशी, महासचिव गिरीश जोशी,मुख्य संयोजक दीपक पांडेय, सचिव संजय पांडेय, ने बताया कि इस वर्ष रामलीला मंचन में विशेष रूप से सीता जन्म, रावण बाणासुर प्रसंग और जटायु प्रसंग शामिल किया गया है जो लीला का मुख्य आकर्षण होगा। उन्होंने बताया कि आठ दिवसीय रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री रामलीला समिति के भवन में महेंद्र पन्त के निर्देशन में पात्रों को जोर शोर से अभिनय की तालीम दी जा रही है और इनका सहयोग सह निर्देशक के रूप में हरीश लोहुमी द्वारा किया जा रहा है। मीडिया प्रभारी देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि महेंद्र पन्त निर्देशक की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ केवट और हनुमान का भी अभिनय कर रहे हैं। और निजी व्यवसाय करने वाले सह निर्देशक हरीश लोहुमी का पूरा परिवार रामलीला मंचन में समर्पित रहता है।

शिया महाविद्यालय में पीसीओएस हार्मोनल डिसऑर्डर पर हुआ जागरूकता अभियान

लखनऊ (संवाददाता)। शिया पीजी कालेज, लखनऊ व मेयर ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में पीसीओएस हार्मोनल डिसऑर्डर पर एक जागरूकता अभियान खतीब-ए-अकबर लाइब्रेरी में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ0 सफिया फातिमा द्वारा तिलावत-ए-कुरान से की गई, तत्पश्चात बी0ए0 गर्ल्स सेक्शन की इंचार्ज प्रो0 जरीन जेहरा रिजवी द्वारा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 रूखसाना खान का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 संगीता मेहरोत्रा, डॉ0 नाहिद व डॉ0 अपूर्वा थी। डॉ0 रुखसाना खान ने अपने संबोधन में छात्राओं को पीसीओएस के बारे में बताया, जिसमें उनके द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने छात्रों से जंक फूड से बचने की अपील की और नियमित व्यायाम और संतुलित पोषण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। डॉ0 संगीता मेहरोत्रा ने छात्राओं को पीसीओएस के कारणों और उसके लक्षणों पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि पीसीओएस का शीघ्र निदान और उपचार बहुत जरूरी है ताकि इस डिसआर्डर से होने वाले मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग और बांझपन जैसी जटिलताओं को रोका जा सके। डॉ0 नाहिद ने अपने छात्राओं से पीसीओएस से संबंधित हार्मोनल असंतुलन और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों पर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोफेसर फरहा एम0 रिजवी, डॉ0 फौजिया बानो, डॉ0 सीमा राणा, डॉ0 अर्चना सिंह, डॉ0 कनीज मेहंदी, डॉ0 इरम और डॉ0 नगीना बानो सहित कई शिक्षिकायें व कर्मचारी उपस्थित रहे और लगभग 200 छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

नसबंदी के बाद महिला ने दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म

लखनऊ (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी मलिहाबाद लखनऊ में एक महिला ने नसबंदी कराने के लगभग 8 महीने बाद एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। यह स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही, चिकित्सकों की असंवेदनशीलता को उजागर करता है।मिली जानकारी के मुताबिक 19 जुलाई 2024 को एक महिला ने मलिहाबाद के सीएचसी में नसबंदी ट्यूबेक्टॉमी कराई थी। चिकित्सकों ने कागजों पर नसबंदी का प्रमाण पत्र जारी किया था। लगभग 8 महीने बाद सितंबर में महिला ने सामान्य प्रसव से एक बच्चे को जन्म दिया, जिससे स्पष्ट होता है कि नसबंदी नहीं हुई थी, केवल कागजी कार्रवाई थी। मामले में डॉक्टर मोनिका अग्रवाल की लापरवाही सामने आई है। उनपर आरोप है कि उन्होंने प्रक्रिया को बिना किए ही रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया। महिला ने तहसील दिवस पर शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।यह घटना न केवल मरीजों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं, जैसे परिवार नियोजन कार्यक्रम पर भी सवाल उठाती है। इससे महिलाओं का विश्वास टूटता है परिवार नियोजन अभियानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लुलु कनेक्ट ने भव्य रूप से डिजेक्स 2025 का शुभारंभ किया

लखनऊ (संवाददाता)। लुलु कनेक्ट ने भव्य रूप से डिजेक्स 2025 का शुभारंभ किया, जो हैवेल्स एवं फैबर द्वारा संचालित तथा इम्पेक्स, बजाज, जेबीएल, लेनोवो और बॉश द्वारा प्रायोजित है। यह आयोजन फ्यूचर टेक इलेक्ट्रॉनिक्स कलेक्शन के साथ आधुनिकता और तकनीक का भव्य प्रदर्शन प्रस्तुत करता है, जिससे ग्राहक अत्याधुनिक उत्पादों और तकनीकी उपकरण का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। इस अवसर पर श्री जयकुमार गंगाधरन- क्षेत्रीय निर्देशक (तेलंगाना, उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली), लुलु ग्रुप ने कहा लुलु कनेक्ट सदैव प्रयासरत है कि अपने ग्राहकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ब्रांड्स किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराए। डिजेक्स 2025 इसी दिशा में हमारा एक और कदम है, जहां आधुनिकता, गुणवत्ता और किफायत एक साथ ग्राहकों तक पहुंचाई जा रही है। कार्यक्रम में सुनील शर्मा महाप्रबंधक, लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा डिजेक्स 2025 हमारे ग्राहकों को न केवल नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की विविधता उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रगतिशील दुनिया से भी परिचित कराता है। लखनऊ में लुलु का उद्देश्य हमेशा से ग्राहकों को शानदार खरीदारी का अनुभव प्रदान करना रहा है और यह आयोजन उसी वादे की पुष्टि करता है। इस आयोजन में ग्राहक हैवेल्स, फैबर, इम्पेक्स, बजाज, जेबीएल, लेनोवो और बॉश जैसे अग्रणी ब्रांड्स के नवीनतम उत्पादों को देख और अनुभव कर सकते हैं। साथ ही, जीएसटी नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों के बाद अब ग्राहक लुलु कनेक्ट में उपलब्ध विशेष उत्पादों पर विशेष मूल्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह बदलाव उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी को और भी अधिक फायदेमंद और आसान बना रहा है। लुलु कनेक्ट प्रस्तुत-डिजेक्स 2025 निस्संदेह तकनीक और आधुनिकता के क्षेत्र में एक नया अध्याय सिद्ध होगा।

आजम चले भी गए तो मुसलमान अखिलेश के साथ

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के बेल पर जेल से निकलने के बाद नजरें राजनीतिक खुशहाली पर टिकी है कि वो अखिलेश यादव के साथ सपा में ही रहेंगे या अटकलों के मुताबिक 9 अक्टूबर को मायावती की बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो जाएंगे या किसी और दल का दामन थामेंगे। अटकलों के बीच मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉक्टर एसटी हसन ने कहा है कि आजम सपा छोड़कर चले गए तो भी मुसलमान वोट नहीं बंटेगा, क्योंकि यूपी के मुस्लिम अखिलेश यादव के साथ हैं। हसन का 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट कट गया था और उसके पीछे आजम का हाथ माना जाता है। आजम खान के बसपा में चले जाने से मुसलमान वोटों पर संभावित असर के सवाल पर एसटी हसन ने पत्रकारों से कहा कि आजम खान बड़े नेता हैं, लेकिन बहुत ज्यादा असर नहीं होगा। हसन ने कहा,आज उत्तर प्रदेश का मुसलमान मुलायम सिंह और अखिलेश यादव से जुड़ा हुआ है। पिछले चुनाव में भी आपने नतीजों को देखा होगा। थोड़ा-बहुत जाहिर है पड़ेगा, बड़े नेता हैं, लेकिन ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

गोमती पुस्तक महोत्सव में वीरगाथा डायरी का पाठ,क्रांतिकारियों और वीर पुरुषों की गाथाएं सुनाई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवि एवं गीतकार डॉ. कृष्ण कुमार सिंह ने अपनी रचना वीरगाथा डायरी का पाठ किया। इस डायरी में स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों और भारतीय इतिहास के वीर पुरुषों की गाथाएं काव्य और गद्य रूप में समाहित हैं। डॉ. सिंह ने पृथ्वीराज चौहान और महाराणा प्रताप की वीरता का वर्णन किया। वीर चंद्रशेखर आजाद की कहानी छंदों में सुनाई गई। सरदार भगत सिंह पर लिखी पंक्ति सतलुज दरिया का पानी तब जोर जोर से खौल उठा ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में 1857 की क्रांति के नायकों का स्मरण किया गया। मंगल पांडे, बहादुर शाह जफर, नाना साहब, रानी लक्ष्मीबाई और वीर कुंवर सिंह की गाथाएं प्रस्तुत की गईं। अवध की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने 2025 में काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी वर्ष समारोह का सुझाव दिया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला आज से, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

लखनऊ (संवाददाता)। एक्सपो सेंटर में कल 25 से 29 सितंबर तक होने जा रहे यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश के मंत्री शामिल होंगे। व्यापार मेले के तीसरे संस्करण में साढ़े तीन सौ से ज्यादा स्टाल, 2400 प्रदर्शक और करीब पांच लाख से ज्यादा कारोबारियों के शिरकत करने की उम्मीद है। पांच दिन के भीतर दस लाख से ज्यादा लोग इसे देखने आएंगे। पिछले वर्ष इस व्यापार मेले में करीब साढ़े तीन लाख लोग पहुंचे थे। करीब 2200 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था और 2027 तक के लिए कंपनियों से सौदे हुए थे। इस बार मेले से पांच हजार करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है।एक जनपद एक उत्पाद ओडीओपी मंडप को इस प्रारूप में तैयार किया गया है, जो एक वैश्विक बाजार के उत्पाद का अहसास कराएगा। यह जानने का भी मौका होगा कि जिस जनपद का यह उत्पाद है, वह किस तरह वहां की संस्कृति, इतिहास और समाज की गहराई से जुड़ा हुआ है। यह नवाचार, डिजाइन विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएगा। इसे लोकल टू ग्लोबलै नाम दिया गया। यूपी पर्यटन विभाग की योजना है कि स्टाल में 10 से 15 वर्ग मीटर की विशेष जगह सांस्कृतिक प्रदर्शनों के लिए तैयार की जाए। यहां मयूर नृत्य ब्रज क्षेत्र ट्राइबल डांस सोनभद्र और लखीमपुर बुंदेली लोक नृत्य झांसी और कथक लखनऊ घराना जैसे नृत्यों का भी प्रदर्शन होगा। व्यापार मेले में पहली बार कृत्रिम मेधा प्रारूप का सजीव प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लिमिटेड यूपीएलसी की देखरेख में तैयार किया जाएगा। आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग का विषय आधारित कंसेप्च्यूलाइज मंडप बनाया जाएगा। इसमें नवाचार के लिए विशेष क्षेत्र तैयार किया जाएगा। सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और तकनीकी प्रगति की गाथाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

केजीएमयू में जूनियर डॉक्टरों ने ओपीडी बंद कराई,वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाए

लखनऊ (संवाददाता)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में बुधवार को एक बार फिर जूनियर डॉक्टरों ने हंगामा शुरू कर दिया है। बड़ी संख्या में जूनियर डॉक्टर करीब 10 बजे न्यू ओपीडी ब्लॉक पहुंचे। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पर्चा बनने की प्रक्रिया बंद करा दी। इस दौरान वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाए। दरअसल, बीते शनिवार देर रात ट्रॉमा सेंटर के ऑर्थो ओपीडी के बाहर नर्सिंग स्टाफ और जूनियर डॉक्टरों के बीच हुई मारपीट की घटना अब बड़े विवाद का रूप ले चुकी है। घटना के बाद नर्सिंग स्टाफ की तरफ से 9 जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। बाद में जूनियर डॉक्टर की तरफ से भी क्रॉस एफआईआर हुई। इस बीच दोनों पक्ष चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशासन पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाते दिखे।

पहले ट्रॉमा सेंटर पर नर्सिंग स्टाफ ने धरना शुरू किया। इसके बाद में बड़ी संख्या में जूनियर डॉक्टर भी ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर हंगामा करने लगे थे। सोमवार दोपहर से शुरू हुआ हंगामे और बवाल का दौर मंगलवार सुबह तड़के तक ट्रॉमा सेंटर में जारी रहा। इस दौरान कई गंभीर मरीजों को इलाज में संकट का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मंगलवार को दिन थोड़ा शांति रही। बुधवार सुबह एक बार फिर जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। केजीएमयू प्रवक्ता और डीन डॉ.केके सिंह ने बताया 9.30 बजे तक सभी मरीजों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। मरीजों के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत सुबह 8.00 बजे से होती है। नवरात्र के चलते मरीजों की संख्या आम दिनों की अपेक्षा थोड़ी कम है। किसी भी मरीज को बिना उपचार के वापस नहीं जाना पड़ेगा। ओपीडी पर सुबह से ही सीनियर डॉक्टर सभी फैकल्टी मेंबर और सीनियर डॉक्टर मौजूद हैं। इस लिए इलाज में कहीं कोई समस्या नहीं है। मैं खुद मौके पर जा रहा हूं, जूनियर डॉक्टरों से बात करूंगा। जरूरत पड़ी तो सख्त कार्रवाई भी होगी।

सपा विधायक के साले ने सुसाइड किया,फंदे से लटकता मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी विधायक कावेंद्र चौधरी के साले ने सुसाइड कर लिया। वह रात को खाना खाने के बाद रोज की तरह अपने कमरे में सोने गया। सुबह जब नौकर सफाई के लिए कमरे में गया तो उसे पंखे में फंदे के सहारे झूलते पाया। आनन-फानन में युवक को फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया है। मृतक की पहचान गोमती नगर के विपुलखंड में रहने वाले कार्तिकेय राज (25) के रूप में हुई। कार्तिकेय राज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वहीं अंबेडकर नगर में एक होटल का व्यवसाय भी संभाल रहा था। कार्तिकेय के पिता शोभाराम वर्मा बलिया में जिला पंचायत विभाग में इंजीनियर हैं।परिजनों ने बताया घर पर मां नीलम वर्मा नानी और दो नौकर थे। रात में सभी के साथ खाना खाने के बाद रोज की तरह वो अपने कमरे में सोने चला गया। घर में एक पालतू कुत्ता था। जिसको हमेशा कार्तिकेय अपने साथ रखता था। लेकिन कल रात वो उसको अपने साथ नहीं ले गया। सुबह नौकर रामपाल कमरे की सफाई करने पहुंचा तो देखा कि वो पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटका था। रामपाल ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। मृतक के रिश्तेदार रिटायर्ड डीआईजी देवेंद्र चौधरी ने बताया कार्तिक हमारा रिश्ते में भतीजा लगता है। वह बीते कई दिनों से मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उसके चलते ही उसने सुसाइड किया। जानकारी मिलने पर उसको लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया परिवार में ऐसी कोई दिक्कत नहीं थी। उसने कंप्यूटर कोर्स और वकालत की भी पढ़ाई की थी। इस समय वह अंबेडकर नगर में एक होटल का व्यवसाय संभाल रहा था। कार्तिकेय की बहन की शादी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी के बेटे कावेंद्र चौधरी से हुई थी। कावेंद्र चौधरी बस्ती के कप्तान गंज विधानसभा से विधायक हैं। गोमती नगर के विपुल खंड में रहते हैं।

बिना जुमार्ना के किसानों की भैंसों को छोड़ेगा नगर निगम, 14 दिन से चल रहा प्रदर्शन समाप्त

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय पर 14 दिनों से चल रहा किसानों का प्रदर्शन आज समाप्त हो गया। मेयर ने किसानों की मांगें मान लीं। उनके भैंसों को बिना जुमार्ना के छोड़ने का आश्वासन दिया। भविष्य में दोबारा भैंसों को नहीं पकड़ने की बात की। इस पर किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। इसके पहले किसानों ने नगर निगम मुख्यालय पर तहरी पकाकर खाई। ढोल-मजीरा बजाकर लोकगीत गाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री आवास कूच करने का ऐलान किया। किसानों के आक्रोश को देखते हुए उनकी मांगें पूरी की गईं। किसान नेता तौकीर ने कहा कि नगर निगम के कर्मचारी किसानों के घर से भैंस खुलवा लाए थे। इसके बाद हमने अधिकारियों से बात करके भैंस वापस मांगने की बात की, तो जुमार्ना लगा दिया गया। इसके विरोध में 14 दिनों से नगर निगम मुख्यालय पर आंदोलन कर रहे थे। आज हम लोगों ने महापंचायत का आवाहन किया था, जिसकी सूचना मिलते ही नगर निगम मुख्यालय के सभी मुख्य द्वारों पर अफसरों की ओर से ताला लगा दिया गया। इस पर हम सभी लोग नगर निगम मुख्यालय के सामने बैठ गए। तौकीर ने कहा कि इसी बीच महापौर सुषमा खर्कवाल ने हमारी मांगें मान लीं। किसानों के भैंसों को निशुल्क छोड़ने का महापौर ने निर्देश जारी कर दिया। हम महापौर को दिल से धन्यवाद देते हैं। उन्हें जन्मदिन की बधाई भी देते हैं। किसानों ने कहा आज मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच करने का मन बना लिया था। संगठित रूप से प्रदर्शन करके नगर निगम को अपनी बात मनवाने पर मजबूर कर दिया। हम सभी किसान यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हमारी खिलाफ कहीं भी अगर कोई कठोर कदम उठाया जाएगा, असंवैधानिक कार्रवाई होगी तो हम उसके खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे।

पड़ोसियों से परेशान दुकानदार ने खाया जहर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के मानक नगर मेहंदी खेड़ा इलाके में रहने वाले परचून दुकानदार वीरू यादव (44) ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक वीरू पड़ोसियों की प्रताड़ना से परेशान थे। वीरू ने छह पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने न सिर्फ पड़ोसियों पर गंभीर आरोप लगाए है, बल्कि मानक नगर थाने के बीट इंचार्ज पर भी मिलीभगत कर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिली है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। वीरू की पत्नी नीलम के अनुसार, कुछ महीने पहले पड़ोसी सुरजीत सिंह यादव ने मकान निर्माण के दौरान मोहल्ले वालों से सहमति लेकर घर का स्ट्रक्चर बदला। इसके बाद गली के एक अन्य निवासी नरेंद्र के दरवाजे के सामने से रास्ता निकाल दिया गया, जिसका नरेंद्र और उसकी पत्नी ने विरोध किया। विवाद बढ़ा तो नरेंद्र की ओर से रैंप तोड़ने का वीडियो वायरल हुआ और पुलिस ने नरेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इसके बाद मोहल्ले में तनाव और गहरा गया। सुसाइड नोट में वीरू ने लिखा कि सुरजीत यादव ने उस पर रैम्प बनवाने का दबाव डाला। मना करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। कुछ समय बाद वीरू सहित मोहल्ले के 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई। वीरू का आरोप था कि बीट इंचार्ज सुरजीत से मिला हुआ था और पुलिस की मिलीभगत से लगातार मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी।

नवरात्र में मिलावटखोरों पर शिकंजा,18 नमूने भेजे गए, नामी ब्रांड और बड़े रिटेल स्टोर भी जांच के दायरे में

लखनऊ (संवाददाता)। नवरात्र के मौके पर बाजारों में मिलावटी फलाहार की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान चलाया। बुधवार को सहायक आयुक्त (खाद्य) विजय प्रताप सिंह की टीम ने चिनहट, मोहनलालगंज, अलीगंज और राजाजीपुरम क्षेत्रों में छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान टीम ने जायसवाल किराना स्टोर (नौबस्ता कलां, चिनहट), स्पेन्सर्स रिटेल (क्राउन माल, बीबीडी यूनिवर्सिटी के सामने), डेरी फ्रेश एंड प्रोविजन स्टोर (मॉडल हाउस), मधुर डेरी (राजाजीपुरम) समेत कई दुकानों से नमूने लिए। मिठाई की दुकानों में खोया बर्फी, पंजीरी लड्डू, बेसन लड्डू और नमकीन के सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए।

राजधानी में किसानों का जोरदार प्रदर्शन

एलडीए पर शमशान घाट कब्जा करने का आरोप लगाया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भारतीय भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद का विरोध प्रदर्शन। बैलगाड़ी और हाथों में डंडा लेकर किसान कैसरबाग चौराहे से जिला अधिकारी कार्यालय की ओर बढ़े। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसानों ने नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। 13 सूत्री मांगों को लेकर किसान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्य रूप से गोमती नगर स्थित उजरियांव योजना में मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। किसान अशोक यादव ने कहा 40 वर्ष पूर्व 1984 में हमारी जमीन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अधिकृत कर ली गई थी। उस समय 84 पैसे के हिसाब से मुआवजा तय हुआ। हम लोगों ने फिर वार्ता किया तो मुआवजा 2.5 रुपए हुआ। कुछ लोग कोर्ट चले गए इसके बाद 4 रुपये 60 पैसे दर के हिसाब से तय हुआ। 2016 में अंतिम मोहर कोर्ट के द्वारा लगी की 4.60 पैसे सभी किसानों को दिया जाए। लेकिन एलडीए कह रहा है कि हमारे पास पर्याप्त धनराशि नहीं है इसलिए हम मुआवजा नहीं दे पाएंगे। जमीन अधिकृत करते समय विभिन्न प्रकार की सुविधा देने की बात कही थी। जिसमें मुख्य रूप से प्रत्येक परिवार को नौकरी, आवास, गांव का विकास और किसान भवन समेत तमाम चीजें शामिल थी। किसानों ने कहा कि एलडीए ने हमारे शमशान घाट पर कब्जा कर लिया। 3 शमशान घाट थे जिसमें से सिर्फ एक ही बचा है। हमारे किसान परिवार की औरतें आज लोगों के घरों में झाड़ू पोछा करने पर मजबूर हैं। किसान प्रधान देश में अन्नदाता की यह स्थिति हो गई है कि दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भूमि अधिग्रहण करते समय जो वादा किया था एक भी पूरा नहीं हुआ। लखनऊ विकास प्राधिकरण और सरकार के बीच में किसान पिस रहा है। अशोक ने कहा कि कई सालों से लखनऊ विकास प्राधिकरण के आला अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं मगर सुनवाई नहीं हो रही है। सारी चीज हमारे पास लिखित में मौजूद हैं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि दौड़ते दौड़ते हम लोग परेशान हो गए हैं। शारीरिक रूप से कमजोर हो गए हैं ना दिखाई पड़ता है ना चल पाते हैं। मजबूर होकर कभी एलडीए जाते हैं कभी जिलाधिकारी के यहां आते हैं मगर कोई भी हमारी बात नहीं सुनता।

सम्पादकीय

सही विधि से ही लाभकारी है उपवास

उपवास महा औषधि का काम करता है जिससे हमारा शरीर और पाचन तंत्र सुदृढ़ बनता है। आमतौर पर लोगों में धारणा है कि उपवास का मतलब खाना छोड़ देना है। परंतु एकदम खाना छोड़ देने से उपवास का पूरा लाभ नहीं होगा। दरअसल उपवास के लिए कुछ विधियां अपनानी जरूरी हैं जैसे कि उपवास कैसे करें, तैयारी क्या करें। प्रथम तो आप अपने शरीर की जांच करें कि क्या-क्या प्रॉब्लम या व्याधियां आपको हैं। अगर आपको मोटापा है, गैस या एसिड बनता है, थके-थके रहते हो- इन सबका मतलब यह है कि आपका खाने-पीने पर कंट्रोल नहीं और बिना नियम से खाना खाते हैं। ऐसे में पहले यह निर्धारित करें कि क्या आपको उपवास पर जाना है। जानिये उपवास का महत्व क्या है, किसको रखना है व कैसे रखना है। उपवास के लिए आपको मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा क्योंकि जैसे ही आप खाना बंद करेंगे तो आपके भूख के एंजाइम अपने समय पर आएंगे और खाने की आपकी इच्छा को प्रकट करेंगे। फिर आप अपने आप को रोक नहीं सकोगे या रुकोगे तो भी जबरदस्ती से। तो इसके लिए आपको तैयारी करनी होगी। पहले आप कुछ दिन हल्के भोजन करने होंगे जैसे कि नाश्ता छोड़ फल इत्यादि लें, लंच में सलाद लें। यानी कुछ ऐसा करें कि आपके पाचन तंत्र पर ज्यादा बोझ न पड़े और वह धीरे-धीरे अपना काम करने लगे। इससे आपको अनुभव होगा कि मैं पहले जो रोजाना खा रहा था उसके बिना काम चल सकता है। इसके बाद के चरण में एक दिन नाश्ता छोड़ दें फिर लंच कम करें फिर रात का भोजन भी कम करें। धीरे-धीरे आपका शरीर उपवास के लिए तैयार हो जाएगा। हमें उपवास क्यों करना है यह जानना भी जरूरी है। यह भी कि उपवास करने से आपके शरीर में कैसे और क्या असर होता है। हमारे शरीर में एक जीवनी शक्ति होती है जिसको हमने पाचन क्रिया से मुक्त कर दिया तो जहां-जहां भी आपके शरीर में टॉक्सिन हैं वह उनको खाना शुरू कर देती है। इससे आपको हल्कापन महसूस होगा। इस दौरान पानी नियमित पीना होगा। जैसे आजकल नवरात्रि के व्रत जारी हैं तो हम उपवास के दौरान चपाती छोड़ देते हैं और दिनभर केले, दूध , पनीर व कुट्टू की रोटी आदि खाते रहते हैं। यह तरीका सही नहीं। सही व्रत से हमारे पाचन तंत्र को विश्राम मिलता है और वह खुद को सुदृढ़ कर लेता है। पालतू जानवर जब भी बीमार होते हैं तो अपना खाना-पीना छोड़ देते हैं। घास इत्यादि खाकर उल्टी कर लेते हैं और तब तक आराम नहीं करते जब तक उनका पाचन तंत्र पूरी तरह से ठीक ना हो जाए। इस क्रिया में दो-तीन दिन लगते हैं। उसके बाद वे अपने खाने पर आ जाते हैं। इसके विपरीत हम इंसान सारा साल हर रोज इस तरह का भोजन कर रहे हैं इसलिए हम लोग बीमार रहते हैं। उपवास का मतलब है कि हम लोग अपने पाचन तंत्र को विश्राम देकर नवरात्रों के दिनों में थोड़े-बहुत फल-सब्जी लें। जो लोग नियमित रूप से अपना भोजन भूख के अनुसार करते हैं उनको लंबे उपवास करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन जो बिना भूख के भोजन करते हैं उनके लिए उपवास करना जरूरी है। देखा-देखी उपवास करने से पौष्टिक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे मांसपेशियां व हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसलिए जानकारी के बिना लंबे उपवास न करें। हां, यदि एकदम व्रत न करना चाहें तो आप उपवास छोटे-छोटे भी कर सकते हो। उपवास काल में मन को शांत रखना बहुत जरूरी है। गांधी जी ने कहा था कि अगर उपवास काल में भोजन के साथ-साथ आप मन का उपवास भी कर ले तो आपको बहुत ही लाभ होगा। हो सके तो आप उपवास के लिए किसी नैचुरोपैथी के डॉक्टर या योगाचार्य से जानकारी ले सकते हैं।

अरुणाचल में ओजु प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी,

मोदी ने चीन के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी

देखा जाये तो यह महज ऊर्जा उत्पादन की परियोजना नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। क्योंकि यह इलाका सीधे चीन की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कदम चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे बाँधों के जवाब में है? भारत की ऊर्जा और सामरिक सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा कदम हाल ही में तब सामने आया जब पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी ज़िले में प्रस्तावित 2,220 मेगावॉट के ओजु जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी। लगभग 25,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना भारत की तीसरी सबसे बड़ी हाइड्रो पावर परियोजना होगी, जिसे पूरा होने में कम से कम पाँच वर्ष लगेंगे। इससे पहले दिबांग (2,880 मेगावॉट) और एतालिन (3,087 मेगावॉट) परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। देखा जाये तो यह महज ऊर्जा उत्पादन की परियोजना नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। क्योंकि यह इलाका सीधे चीन की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कदम चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे बाँधों के जवाब में है? और क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल यात्रा के महज दो दिन बाद इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलना कोई साधारण संयोग है? हम आपको बता दें कि चीन लंबे समय से ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्सांगपो) पर बड़े-बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। उसकी योजना वहाँ दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट खड़ा करने की है। भारत के लिए यह चिंता का विषय इसलिए है क्योंकि ब्रह्मपुत्र की धारा तिब्बत से निकलकर अरुणाचल और असम से होते हुए बांग्लादेश पहुँचती है। यदि चीन ऊपरी धारा पर पानी रोकता है या दिशा मोड़ता है, तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और असम की कृषि, पारिस्थितिकी और लोगों के जीवन पर गहरा असर पड़ सकता है। भारत अब इस खतरे को मूक दर्शक बनकर नहीं देखना चाहता। ओजु जैसी परियोजनाएँ दरअसल यह संदेश देती हैं कि भारत भी अपनी नदी संसाधनों पर अधिकार जताने और उन्हें सामरिक हथियार की तरह उपयोग करने के लिए तैयार है। यह परियोजना न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि चीन के जल-राजनीति को संतुलित करने का साधन भी बनेगी। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी दो दिन पहले ही अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर गए थे, जहाँ उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राज्य की सामरिक महत्ता पर जोर दिया। उनकी यात्रा के मात्र दो दिन बाद ओजु प्रोजेक्ट की मंजूरी सामने आना केवल संयोग नहीं माना जा सकता। यह एक सोचा-समझा सामरिक संकेत है– भारत चीन को यह बताना चाहता है कि अरुणाचल पर उसके दावे किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। दरअसल, चीन लगातार अरुणाचल को दक्षिण तिब्बत बताकर दावा करता रहा है। भारत का यहाँ बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा और ऊर्जा परियोजनाएँ खड़ी करना इस दावे को व्यावहारिक रूप से निष्प्रभावी बना देता है। यह कदम यह संदेश भी देता है कि भारत केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीमा से लगे इलाकों में विकास की नई धारा बहाएगा। देखा जाये तो यह प्रोजेक्ट भारत की आत्मविश्वासी छवि का प्रतीक है। अब भारत केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं है, बल्कि आक्रामक विकास और सामरिक कदमों के जरिए चीन की चालों को संतुलित करने में जुटा है। हम आपको यह भी बता दें कि ओजु प्रोजेक्ट से भारत को कई स्तरों पर लाभ होगा। जैसे- 2,220 मेगावॉट उत्पादन पूर्वोत्तर राज्यों को आत्मनिर्भर बनाएगा और राष्ट्रीय ग्रिड को भी मजबूत करेगा। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा और आधारभूत ढाँचे का विकास होगा। साथ ही यह परियोजना चीन को यह संदेश देगी कि भारत भी जल संसाधनों का उपयोग सामरिक हथियार की तरह कर सकता है। वहीं भारत अपने विकासशील राष्ट्र के एजेंडा के तहत यह दिखा सकेगा कि वह पर्यावरणीय सतर्कता के साथ बड़े प्रोजेक्ट पूरे कर सकता है। हम आपको बता दें कि विशेषज्ञ समिति ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देते समय कई शर्तें भी जोड़ी हैं– जैसे ग्लेशियर झील फटने के खतरे को ध्यान में रखना, रीयल-टाइम अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाना और पाँच साल बाद पर्यावरणीय असर की समीक्षा करना। यह जरूरी है, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र भूकंपीय और पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील है। यदि संतुलन नहीं रखा गया तो लाभ से ज्यादा नुकसान भी हो सकता है। बहरहाल, ओजु जलविद्युत परियोजना केवल एक ऊर्जा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत का भू-राजनीतिक बयान है। यह बताता है कि भारत अब चीन की जल-राजनीति का जवाब अपने दम पर देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी की अरुणाचल यात्रा के बाद यह फैसला यह संदेश देता है कि भारत अपनी सीमाओं और संसाधनों पर किसी भी बाहरी दावे या दबाव को स्वीकार नहीं करेगा। भारत अब उस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है जहाँ विकास और सुरक्षा दोनों हाथ में हैं। चीन की चुनौती का जवाब केवल सैन्य मोर्चे पर नहीं, बल्कि जलविद्युत और विकास के मोर्चे पर भी दिया जाएगा।

अलग-थलग पड़ता इजरायल

अपने देश की रक्षा करना एक बात है। लेकिन इसके लिए 60 हजार नागरिकों को मारना, अस्पताल पर बम गिराना और भूखे बच्चों को मौत के मुंह में झोंकना जायज नहीं है। हम अपनी आंखों के सामने 21वीं सदी के काले स्याह अध्याय को देख रहे हैं। ये अल्फाज स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के हैं, जो अमेरिका में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहे। सांचेज ने कहा कि जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था तो हमने उसकी निंदा की थी और पीड़ित की मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। हमने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले की भी कड़ी निंदा की थी। लेकिन अब जो इजरायल कर रहा है, क्या वह सही है, यह सवाल सांचेज ने अमेरिकी मंच से उठाए और उसके दोहरे रवैये पर आश्चर्य जताया। पेड्रो सांचेज का बयान दुनिया में फिलीस्तीन के पक्ष में बनते माहौल की गवाही दे रहा है। सोमवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फिलीस्तीन को औपचारिक तौर पर मान्यता दे दी है। मैक्रों ने कहा, श्शांति का समय आ गया हैश और श्गजा में जारी युद्ध का कोई औचित्य नहीं हैश बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में इजरायल-फिलीस्तीन के संघर्ष के समाधान के तौर पर दो-राष्ट्र के सिद्धांत पर केंद्रित एक दिवसीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी फ्रांस और सऊदी अरब ने की, जिसमें मैक्रों ने ये बातें कहीं। इस बैठक में जी7 के सदस्य जर्मनी, इटली और अमेरिका शामिल नहीं हुए, लेकिन बेल्जियम, लक्जमबर्ग, माल्टा, अंडोरा और सैन मरीनो जैसे यूरोपीय देशों ने भी फिलीस्तीन को मान्यता देने की बात कही है। बेल्जियम ने कहा है कि यह कानूनी रूप से तभी प्रभावी होगा, जब हमास को हटा दिया जाएगा और बंधकों को वापस कर दिया जाएगा। वहीं पेड्रो सांचेज ने फिलीस्तीन राज्य को संयुक्त राष्ट्र का पूर्ण सदस्य बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि श्यह सम्मेलन मील का पत्थर है, लेकिन यह इस यात्रा का अंत नहीं है। यह तो बस शुरूआत हैश जबकि इमैनुएल मैक्रों ने संरा महासभा को बताया कि श्फिलिस्तीनी देश को मान्यता देना एकमात्र साधन है, जो इजरायल को शांति से रहने देगा।श मैक्रों ने कहा, हमें द्वि-राष्ट्र समाधान की संभावना को बनाए रखने के लिए अपनी पूरी शक्ति से प्रयास करना चाहिए, ताकि इजरायल और फिलिस्तीन शांति और सुरक्षा के साथ-साथ रह सकें। मैक्रों ने स्पष्ट किया कि फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों को मान्यता देने से इजरायल के लोगों के अधिकारों में कोई कमी नहीं आएगी, जिनका फ्रांस ने पहले दिन से समर्थन किया है। ध्यान रहे कि इससे पहले रविवार को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और पुर्तगाल भी फिलीस्तीन को एक देश के तौर पर मान्यता दे चुके हैं। भारत तो फिलीस्तीन को मान्यता देने वाले पहले राष्ट्रों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से तीन चौथाई से अधिक पहले ही फिलीस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। लेकिन अमेरिका, इजरायल, इटली और जर्मनी अब भी फिलीस्तीन को मान्यता देने राजी नहीं हैं। हालांकि फ्रांस जैसे देशों के फिलीस्तीन को मान्यता देने से द्विराष्ट्र समाधान जैसी पहल को अब और मजबूती मिलेगी, ऐसा माना जा रहा है। लेकिन इस का कोई असर तभी दिखाई देगा, जब इजरायल का, खासकर बेंजामिन नेतन्याहू का अड़ियल रवैया टूटेगा। अभी तो नेतन्याहू फिलीस्तीन को मान्यता देने को सीधे आतंकवाद का ईनाम ही बता रहे हैं। फ्रांस व अन्य देशों की पहल पर नेतन्याहू ने साफ कहा कि, श्कोई फिलस्तीनी देश नहीं होगा. हमारी जमीन के बीच, एक आतंकवादी देश को थोपने के हालिया प्रयास का जवाब मेरे अमेरिका से लौटने के बाद दिया जाएगा।श नेतन्याहू ने फिलीस्तीन को मान्यता देने वाले देशों के लिए संदेश दिया है कि यह संभव नहीं होगा। जॉर्डन नदी के पश्चिम में कोई भी फिलीस्तीनी देश नहीं होगा। वहीं इजरायल के दक्षिणपंथी नेता ये भी चाहते हैं कि फिलीस्तीनियों को कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह हटाया जाए और उस पूरे क्षेत्र को यहूदियों के लिए इजरायली संप्रभुता के अंतर्गत लाया जाए।हालांकि नेतन्याहू सरकार का यह रूख खुद इजरायल के लोगों को नागवार गुजर रहा है। इजरायल में लगातार नेतन्याहू के लड़ाकू रवैये पर जनता नाराजगी दिखा रही है, वहीं अब दो पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक और एहुद ओल्मर्ट ये आरोप लगा चुके हैं कि नेतन्याहू इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अछूत बनाने की ओर ले जा रहे हैं। इस आरोप में दम दिख रहा है, क्योंकि नेतन्याहू पहले जिसे आतंकवाद का जवाब और इंसाफ की लड़ाई बता रहे थे, वह अब युद्धोन्माद दिख रहा है, जिसमें लाखों मासूम जिंदगियां तबाह हो चुकी हैं। हमास का बदला मासूम बच्चों, मरीजों, महिलाओं, पत्रकारों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं से निकाला जा रहा है। लगातार 2 साल से नरसंहार देखकर अब दुनिया भी इस पागलपन को रोकने के लिए आवाज उठा रही है। 10 सितंबर को अपने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में यूरोपियन यूनियन की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा था कि गजा की घटनाओं ने दुनिया के जमीर को झकझोर दिया है। इसके अगले ही दिन 314 पूर्व यूरोपीय राजनयिकों और अधिकारियों ने वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काया कलास को चिट्ठी लिखकर कड़े कदम उठाने की अपील की। कई यूरोपीय देश अब इजरायल पर अलग-अलग तरह के प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका अब भी इजरायल के साथ ही खड़ा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका के श्इजरायल के साथ संबंध मजबूत बने रहेंगे। लेकिन अमेरिका कब तक वैश्विक रुख को नजरंदाज करेगा, ये देखना होगा।

पूना पैकट : एक पुनर्मूल्यांकन

एस. आर. दारापुरी

भारतीय हिन्दू समाज में जाति को आधारशिला माना गया है. इस में श्रेणीबद्ध असमानता के ढांचे में अछूत सबसे निचले स्तर पर हैं जिन्हें 1935 तक सरकारी तौर पर श्डिप्रेस्ड क्लासेजश कहा जाता था. गांधीजी ने उन्हें श्हरिजनश के नाम से पुरस्कृत किया था जिसे अधिकतर अछूतों ने स्वीकार नहीं किया था. अब उन्होंने अपने लिए श्दलितश नाम स्वयं चुना है जो उनकी पददलित स्थिति का परिचायक है. वर्तमान में वे भारत की कुल आबादी का लगभग छठा भाग (16.20ः) तथा कुल हिन्दू आबादी का पांचवा भाग (20.13ः) हैं. अछूत सदियों से हिन्दू समाज में सभी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक व शैक्षिक अधिकारों से वंचित रहे हैं और काफी हद तक आज भी हैं.दलित कई प्रकार की वंचनाओं एवं निर्योग्यताओं को झेलते रहे हैं. उनका हिन्दू समाज एवं राजनीति में बराबरी का दर्जा पाने के संघर्ष का एक लम्बा इतिहास रहा है. जब श्री. ई. एस. मान्टेग्यु, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया, ने पार्लियामेंट में 1917 में यह महत्वपूर्ण घोषणा की कि श्ब्अंग्रेजी सरकार का अंतिम लक्ष्य भारत को डोमिनियन स्टेट्स देना है तो दलितों ने बम्बई में दो मीटिंगें कर के अपना मांग पत्र वाइसराय तथा भारत भ्रमण पर भारत आये सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया को दिया. परिणामस्वरूप निम्न जातियों को विभिन्न प्रान्तों में अपनी समस्यायों को 1919 के भारतीय संवैधानिक सुधारों के पूर्व भ्रमण कर रहे कमिशन को पेश करने का मौका मिला.तदोपरांत विभिन्न कमिशनों, कांफ्रेंसों एवं कौंसिलों का एक लम्बा एवं जटिल सिलसिला चला.

सन 1918 में मान्टेग्यु चौमस्फोर्ड रिपोर्ट के बाद 1924 में मद्दीमान कमेटी रिपोर्ट आई जिसमें कौंसलों में डिप्रेस्ड क्लासेज के अति अल्प प्रतिनिधित्व और उसे बढ़ाने के उपायों के बारे में बात कही गई. साईमन कमीशन (1928) ने स्वीकार किया कि डिप्रेस्ड क्लासेज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए. सन 1930 से 1932 एक लन्दन में तीन गोलमेज कान्फ्रेंसें हुईं जिन में अन्य अल्पसंख्यकों के साथ साथ दलितों के भी भारत के भावी संविधान के निर्माण में अपना मत देने के अधिकार को मान्यता मिली. यह एक ऐतिहासिक एवं निर्णयकारी परिघटना थी. इन गोलमेज कांफ्रेंसों में डॉ. बी. आर. आंबेडकर तथा राव बहादुर आर. श्रीनिवासन द्वारा दलितों के प्रभावकारी प्रतिनिधित्व एवं जोरदार प्रस्तुति के कारण 17 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित प्रधानमंत्री अवार्ड में दलितों को पृथक निर्वाचन का स्वतन्त्र राजनीतिक अधिकार मिला. इस अवार्ड से दलितों को आरक्षित सीटों पर पृथक निर्वाचन द्वारा अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने का अधिकार मिला और साथ ही सामान्य जाति के निर्वाचन क्षेत्रों में सवर्णों को चुनने हेतु दो वोट का अधिकार भी प्राप्त हुआ. इस प्रकार भारत के इतिहास में अछूतों को पहली वार राजनीतिक स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हुआ जो उनकी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकता था.उक्त अवार्ड द्वारा दलितों को गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट,1919 में अल्प संख्यकों के रूप में मिली मान्यता के आधार पर अन्य अल्पसंख्यकों - मुसलमानों, सिक्खों, ऐंग्लो इंडियनज तथा कुछ अन्य के साथ साथ पृथक निर्वाचन के रूप में प्रांतीय विधायिकाएं एवं केन्द्रीय एसेम्बली हेतु अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनने का अधिकार मिला तथा उन सभी के लिए सीटों की संख्या निश्चित की गयी. इसमें अछूतों के लिए 78 सीटें विशेष निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में आरक्षित की गईं. गाँधी जी ने उक्त अवार्ड की घोषणा होने पर यरवदा (पूना) जेल में 18 अगस्त, 1932 को दलितों को मिले पृथक निर्वाचन के अधिकार के विरोध में 20 सितम्बर, 1932 से आमरण अनशन करने की घोषणा कर दी. गाँधी जी का मत था कि इससे अछूत हिन्दू समाज से अलग हो जायेंगे जिससे हिन्दू समाज व हिन्दू धर्म विघटित हो जायेगा. यह ज्ञातव्य है कि उन्होंने मुसलमानों, सिक्खों व ऐंग्लो- इंडियनज को मिले उसी अधिकार का कोई विरोध नहीं किया था. गाँधी जी ने इस अंदेशे को लेकर 18 अगस्त, 1932 को तत्कालीन ब्रिटिश प्रधान मंत्री, श्री रेम्जे मैकडोनाल्ड को एक पत्र भेज कर दलितों को दिए गए पृथक निर्वाचन के अधिकार को समाप्त करके संयुक्त मताधिकार की व्यवस्था करने तथा हिन्दू समाज को विघटन से बचाने की अपील की. इसके उत्तर में ब्रिटिश प्रधान मंत्री ने अपने पत्र दिनांकित 8 सितम्बर, 1932 में अंकित किया, ब्रिटिश सरकार की योजना के अंतर्गत दलित वर्ग हिन्दू समाज के अंग बने रहेंगे और वे हिन्दू निर्वाचन के लिए समान रूप से मतदान करेंगे।

फलस्तीन के हक में

गाजा में फलस्तीनियों के चौरतरफा दमन के बीच यदि ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया ने फलस्तीन राज्य को मान्यता दी है तो इसे बड़े कूटनीतिक बदलाव के रूप में देखना चाहिए। अमेरिका की इच्छा के विपरीत यदि जी-7 के देश फलस्तीन राज्य को समर्थन दे रहे हैं तो इसके गहरे निहितार्थ हैं। जो इस्त्राइल को असहज करने वाले होंगे, क्योंकि इस्त्राइल द्विराष्ट्र सिद्धांत को मानने को कभी राजी नहीं हुआ है। अभी कई देश मान्यता देने का मन बना रहे हैं। अमेरिकी संरक्षण में फलस्तीनियों के दमन में लगे इस्त्राइल पर वैश्विक जनमत का कोई तत्काल असर नजर नहीं आता है, लेकिन देर-सवेर स्थितियां जरूर बदलेंगी। बहरहाल, इस्त्राइल-हमास के संघर्ष में पिसते फलस्तीनियों की पहचान का मुद्दा फिर जोर पकड़ रहा है। केवल जी-समूह के देश ही नहीं, फ्रांस भी फलस्तीनियों को मान्यता देने का मन बना चुका है। गाजा में मानवता के क्रंदन से दुनिया के सभी बड़े देश विचलित हैं और अपने-अपने देशों में जन-दबाव महसूस कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब संयुक्त राष्ट्र के तीन-चौथाई से ज्यादा सदस्यों ने फलस्तीनी राज्य के दर्जे को वैधता प्रदान कर दी है, तो जमीनी हकीकत में बदलाव क्यों नहीं आ रहा है। बहरहाल, लंबे समय से आत्मनिर्णय की गरिमा से वंचित लाखों लोगों के लिए, यह अधिकारों की पुष्टि और प्रतीकात्मक जीत दोनों ही हैं। लेकिन यह भी हकीकत है कि कागजी मान्यता से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली। पश्चिमी तट पर इस्त्राइली बस्तियों का विस्तार निर्बाध रूप से जारी है। दूसरी ओर गाजा की नाकाबंदी भी अभी जारी है। राहत सामग्री बांटने के नाम पर जिस तरह भूखे लोगों का दमन किया गया, उसने सभ्य दुनिया के औचित्य पर सवाल ही उठाये हैं। गाजा में समय-समय पर हिंसा भड़कती रहती है, जिससे फिलहाल स्थिरता की कोई सूरत नजर नहीं आती। फलस्तीनी आज भी तरह-तरह के प्रतिबंधों के बीच जिंदगी के दिन गिन रहे हैं। निस्संदेह, इस्त्राइल द्वारा लगाये गए तमाम प्रतिबंध फलस्तीन की संप्रभुता की अवधारणा का मजाक ही उड़ाते हैं। वास्तव में पश्चिमी देशों द्वारा दी गई मान्यता जब तक व्यावहारिक उपायों मसलन राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी प्रावधानों द्वारा समर्थित नहीं होती, तब तक इन घोषणाओं का सिर्फ प्रतीकात्मक महत्व ही रह जाता है। विडंबना यह भी है कि जी-7 के अन्य प्रमुख देश अमेरिका, जर्मनी, इटली और जापान ने फलस्तीन को मान्यता देने से इनकार किया है। उनकी दलील है कि यह प्रश्न इस्त्राइल की सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। लेकिन वास्तव में शांति इस आधार पर कायम नहीं की जा सकती है कि एक व्यक्ति के अधिकार दूसरे की सुरक्षा की भावना पर निर्भर हों। द्विराष्ट्र समाधान, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने एकमात्र व्यवहार्य ढांचे के रूप में समर्थन दिया है, समानता की मांग करता है। भारत ने वर्ष 1988 में फलस्तीन को मान्यता दी थी। साथ ही इस्त्राइल के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए भी उसके राज्य के दर्जे के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया है। लेकिन, मौजूदा संघर्ष के दौरान, भारत ने प्रतिक्रिया देने में स्पष्ट रूप से देरी की है। निश्चिय ही यह भारत की ऐतिहासिक एकजुटता और रणनीतिक साझेदारी के बीच सतर्क संतुलन को ही दशार्ता है। दरअसल, यह हिचकिचाहट नैतिक स्पष्टता और व्यावहारिक राजनीति के साथ संरेखित करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। बहरहाल, मान्यता की लहर को केवल नैतिक दिशासूचक के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में गाजा संकट की विभीषिका के बीच बस्तियों के विस्तार को रोकने, प्रतिबंधों को हटाने, मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने तथा विश्वसनीय वार्ता को आगे बढ़ाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं होता तो फलस्तीन सिर्फ एक नाममात्र का राज्य बनकर रह जाएगा। यह इस बात की भी परीक्षा है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में तत्काल कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति है। दुनिया के देशों को ध्यान रखना चाहिए कि इस्त्राइल व हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से 65 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश आम लोग हैं। इसके अलावा लाखों लोग भुखमरी और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। वहीं कतर की राजधानी दोहा पर इस्त्राइली हमले के बाद गाजा में संघर्षविराम की स्थिति भी धूमिल होती नजर आ रही है।

जीएसटी नोटिस में मौद्रिक सीमा तय होगी, त्योहारी सीजन रोजगार को स्थायी नौकरी का अवसर मानते हैं लोग

त्योहारी सीजन में मिलने वाले अस्थायी रोजगार में लगे प्रत्येक तीन में से दो व्यक्ति इसे सिर्फ अतिरिक्त आय का साधन नहीं, बल्कि पूर्णकालिक नौकरी का अवसर मानते हैं। नौकरी तलाश एवं भर्ती के ऑनलाइन मंच इनडीड ने एक रिपोर्ट में कहा, काम ढूंढ रहे दो-तिहाई लोग सक्रिय रूप से पूर्णकालिक रोजगार की तलाश में हैं। वे त्योहारी सीजन में पैदा होने वाले अस्थायी रोजगार को टिकाऊ करियर के प्रवेश-द्वार के रूप में ही देखते हैं। हालांकि, नियोक्ताओं और कर्मचारियों की सोच के बीच अंतर दिख रहा है। सर्वे में शामिल 53 फीसदी नियोक्ताओं ने कहा, तीन में से चार त्योहारी भर्तियां 'अस्थायी अनुबंध पर ही होती हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में सात फीसदी अधिक है। खास बात है कि 43 फीसदी नियोक्ता अधिक सक्रियता से भर्ती कर रहे हैं। इनमें ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक खुदरा और आतिथ्य क्षेत्र शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों को लगता है कि ये अस्थायी नौकरियां लंबी अवधि के करियर के दरवाजे खोलेंगी।

रैपर बादशाह को ये क्या हुआ?

आंख पर पट्टी बंधी देख टेंशन में आए फैंस

मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देख उनके फैंस चिंतित हो गए हैं। इन तस्वीरों में बादशाह की आंख सूजी और आंख पर पट्टी बंधी दिख रही है। रैपर की ऐसी हालत देखने बाद टेंशन में आए फैंस यही जानना चाह रहे हैं कि आखिर उनके साथ ऐसा क्या हुआ। तो आइए जानते हैं क्या है पूरा माजरा?दरअसल, बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पर जख्मी हाल वाली तस्वीरें खुद शेयर की हैं, जिसमें से एक फोटो में उनकी आंख बुरी तरह सूजी नजर आ रही है तो दूसरी फोटो में उनकी आंख पर पट्टी बंधी दिख रही है। ये तस्वीरें शेयर कर बादशाह ने कैप्शन में लिखा, अवतार जी का मुक्का हिट करता है जैसे। अब उनका ये हाल देख फैंस काफी चिंतित हो रहे हैं और कमेंट कर सारा माजरा जानने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कई फैंस सिंगर की जल्द रिकवरी की दुआ भी कर रहे हैं। बता दें, बादशाह हाल ही में शाहरुख खान के लाडले आर्यन खान की डेब्यू वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए हैं। इस सीरीज में बादशाह को मनोज पाहवा यानी अवतार से भिड़ते हुए देखा गया है।

तुम्हारी गलती सुधारना मेरी जिम्मेदारी...परिणीति ने पति को दी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी की बधाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इस समय अपनी मदरहुड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। इसी बीच परिणीति ने आज यानि 24 सितंबर को राघव चड्ढा संग अपनी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की। इस मौके पर कपल ने पेरिस ट्रिप की एक मजेदार तस्वीर शेयर की है यह तस्वीर परिणीति और राघव के प्रेग्नेंसी अनाउंस करने से कुछ महीने पहले की है। तस्वीर के साथ दोनों ने एक दूसरे को खास अंदाज में शादी की सालगिरह की मुबारकबाद दी। तस्वीर में, राघव चड्ढा आई लव पेरिस टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। अपनी खास स्टाइल में एक्ट्रेस अपने हाथ से एस को कवर कर दिया जिससे ऐसा लग रहा है जैसे उनके पति के कपड़ों पर आई लव परी लिखा हो। दोनों फोटो में ब्लैक में ट्विनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। इस प्यारी सी तस्वीर को शेयर करते हुए परीणीति ने कैप्शन में लिखा-एक पत्नी होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं इस मिस्टेक को फिक्स करूं। हैप्पी एनिवर्सरी मेरी रागी! द लव ऑफ माई लाइफ, मेरे पगलू दोस्त, माई काम एंड कंपोज्ड हसबैंड, मैं अपनी बाकी जिंदगी तुम्हारे साथ बिताने के लिए बेताब हूं। दूसरी तरफ राघव चड्ढा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यही तस्वीरें शेयर कीं।उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा-ब्रेकिंग पत्नी अपने पति को अपने से ज्यादा किसी और चीज से प्यार करने नहीं देती, यहां तक कि शहरों से भी नहीं उस लड़की को शादी की सालगिरह मुबारक जो हर जगह को घर जैसा एहसास देती है।

पवन सिंह के अंजलि को बैड टच करने के विवाद पर सपना चौधरी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- उन्हें स्टेज पर ही..

पिछले दिनों भोजपुरी सिंगर पवन सिंह अपने एक वीडियो को लेकर खूब चर्चा में आए थे, जिसमें वह स्टेज पर ही सिंगर अंजली राघव को बैड टच करते नजर आए थे। इस वीडियो पर खूब बवाल हुआ था। सिंगर अंजली ने कभी भी भोजपूरी मे काम न करने का फैसला किय था, जबकि पवन सिंह ने सफाई देते हुए माफी मांगी थी। पवन और अंजली के विवाद पर फेमस हरियाणवी सिंगर सपना चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल, हाल ही में एक इंटरव्यू में सपना चौधरी से पूछा गया कि पवन सिंह के साथ जो घटना हुई और हरियाणी की अंजली करके जो एक्ट्रेस थीं, उसके बारे क्या कहना है। इस पर जवाब देते हुए सपना चौधरी ने कहा, अंजली करके नहीं बल्कि अंजली राघव एक्ट्रेस हैं। देखिए वो सिचुएशन थी उसके ऊपर मैं नहीं कह सकती लेकिन जिस तरीके से मैने देखा, मुझे लगता है कि अंजली को तुरंत मना करना चाहिए था स्टेज पर ही। हां कभी कभी मुश्किल होता है कहना क्योंकि वो बोल्डनेस आना एक आर्टिस्ट के लिए शायद मुश्किल हो जाता है। लेकिन आपको तुरंत कह देना चाहिए नो, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है आप प्लीज ऐसे मत कीजिए। सपना चौधरी का ये वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बता दें, सपना चौधरी को हरियाणवी क्वीन के नाम से भी जाना जाता है। वो अपने गानों और डांस को लेकर फैंस के भी खूब चर्चा में रहती है। सपना सलमान खान के शो बिग बॉस में भी नजर आ चुकी हैं।

8 महीने हो गए...परिणीति चोपड़ा ने पहली बार फ्लॉन्ट किया बेबी बंप, मिसेज चड्ढा के फेस ग्लो ने खींचा सबका ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा जल्द मम्मी बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने एक बेहद प्यारे पोस्ट के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज शेयर की थी। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद से ही परिणीति लाइमलाइट से दूरी बनाए हुए थीं। ना तो वह किसी इवेंट में नजर आ रही थीं और ना ही कहीं बाहर स्पॉट हुईं। यहां तक कि वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी जो वीडियो शेयर करती हैं उसमें उनका फेस ही नजर आता है। लेकिन अब पहली बार परिणीति अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखी। दरअसल, परिणीति ने इंस्टा पर अपनी एक वीडियो शेयर की। इस वीडियो में उन्होंने बताया कि वह अपने नए व्लॉग के साथ अपने यूट्यूब चौनल को री-लॉन्च कर रही हैं।इसी वीडियो में एक्ट्रेस ने पहली बार बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फैंस को सरप्राइज कर दिया।परिणीति ने कुछ घंटे पहले ही अपना नया व्लॉग शेयर किया, जिसमें उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी देखा जा सकता है। परिणीति चोपड़ा करीब 10 महीने पहले ही यूट्यूबर बन गई थीं, लेकिन 8 महीने से अपने यूट्यूब चौनल पर एक्टिव नहीं थीं। जिसकी एक वजह उनकी प्रेग्नेंसी भी थी। प्रेग्नेंसी के चलते परिणीति लाइमलाइट और यूट्यूब से दूरी बनाए हुए थीं लेकिन अब बेबी बंप वाली तस्वीर पोस्ट करने की जगह उन्होंने पूरा का पूरा व्लॉग ही शेयर कर दिया है जिसने उनके फैंस को खुश कर दिया है। परिणीति चोपड़ा ने अपने पति और आप नेता राघव चड्ढा के साथ मिलकर 25 अगस्त को अपनी पहली प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। उन्होंने एक गोल केक की प्यारी सी तस्वीर साझा करते हुए फैंस को ये गुड न्यूज दी, जिस पर लिखा था- 1.1=3 और इसके नीचे दो छोटे पैर के निशान बने थे, जिसके बाद हर किसी ने उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया था। बता दें, परिणीति चोपड़ा ने सितंबर 2023 में राघव चड्ढा के साथ उदयपुर में ग्रैंड वेडिंग की थी और अब वह अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

पहली पत्नी से तलाक और दूसरी के साथ बसाएंगे घर,हाई कोर्ट के फैसले के बाद प्रेग्नेंट पायल को को छोड़ेंगे अरमान मलिक

पॉपुलर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 3 फेम अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्निया पायल और कृतिका मलिक अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहते हैं। एक तरफ जहां पायल और अरमान अपने चौथे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ ऐसे दावे किए जा रहे हैं अरमान और पायल का रिश्ता टूटने की कगार पर है और वह आगे की जिंदगी अपनी दूसरी पत्नी कृतिका मलिक के साथ ही बिताएंगे। इस बीच आई एक नई रिपोर्ट ने इन खबरों को और भी हवा दे दी है। दरअसल,अगस्त 2025 में यूट्यूबर अरमान मलिक को पटियाला जिला अदालत से समन जारी किया गया। अदालत ने अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियों, पायल और कृतिका को हाजिर होने का नोटिस भेजा। यह समन एक याचिका के आधार पर जारी किया गया था जिसे दविंदर राजपूत ने दायर किया था। याचिका में दावा किया गया है कि अरमान मलिक की सिर्फ दो नहीं,बल्कि चार शादियां हैं। यह हिंदू मैरिज एक्ट का उल्लंघन माना गया है क्योंकि इस कानून के अनुसार हिंदू धर्म का पालन करने वाले किसी भी व्यक्ति को एक समय में केवल एक ही विवाह की अनुमति है। वहीं अब खबर है कि हाई कोर्ट ने अरमान मलिक को दोनों में से किसी एक पत्नी को तलाक देने का आदेश दिया था वरना उन्हें उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा तो खबरें हैं कि अरमान ने पायल मलिक से तलाक लेकर कृतिका मलिक के साथ रहने का फैसला किया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि हाई कोर्ट ने अरमान के पक्ष में फैसला सुनाया था और उन्हें पायल से तलाक दे दिया था। हालांकि अभी तक रमान मलिक या उनकी दोनों पत्नियों की तरफ से इसे लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है। उनके करंट व्लॉग्स में भी पायल मलिक को देखा जा सकता है। मालूम हो कि अरमान मलिक ने दो शादियां की हैं।उनकी पहली शादी पायल मलिक से साल 2011 में हुई थी जिसके बाद दोनों के बेटे चिरायु मलिक का जन्म हुआ। पायल के साथ अपनी लव स्टोरी पर बात करते हुए अरमान ने बताया था कि मुलाकात के सातवें दिन ही उन्होंने पायल के साथ भागकर शादी कर ली थी। हालांकि साल 2018 में एक बड़ा मोड़ आया, जब पायल से तलाक लिए बिना ही अरमान ने अपनी बेस्ट फ्रेंड कृतिका से शादी कर ली। कृतिका से उनकी मुलाकात बेटे चिरायु के जन्मदिन की पार्टी में हुई थी।इस फैसले के बाद दोनों पत्नियों के बीच समस्याए जरूर आईं लेकिन बाद में तीनों ने साथ रहने का फैसला किया और परिवार की तरह जीवन बिताने लगे।साल 2023 में जब पायल ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया, तो उसी समय कृतिका भी बेटे जैद की मां बनीं और अब एक बार फिर उनकी पहली पत्नी प्रेग्नेंट हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव पेश किया, अहमदाबाद में हो सकता है आयोजन

नई दिल्ली , गुजरात सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक हैं। भारत की बोली ने अहमदाबाद को इस शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए मेजबान शहर बनाया है। भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को लंदन में राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति के समक्ष 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव औपचारिक रूप से पेश किया। भारतीय दल का नेतृत्व गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने किया। इसकी जानकारी गुजरात सरकार ने दी। गुजरात सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक हैं। भारत की बोली ने अहमदाबाद को इस शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए मेजबान शहर बनाया है। अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन स्थलों, मजबूत परिवहन प्रणालियों और उच्च-गुणवत्ता वाले आवास के साथ एक सघन खेल माहौल उपलब्ध है।

ट्रंप से टैरिफ पर तनाव के बाद चीन ने उठाया बड़ा कदम

डब्ल्यूटीओ में विकासशील देशों का दर्जा छोड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका लंबे समय से यह तर्क देता रहा है कि चीन को विकासशील देश का दर्जा छोड़ देना चाहिए क्योंकि वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विश्व व्यापार संगठन विकाशशील देशों को कई फायदे देता है। इन फायदों में आयात के लिए अपने बाजार खोलने की कम जरूरतें और बाजार खोलने के कदमों को लागू करने के लिए लंबी मिलने जैसी चीजें शामिल हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। चीन अब विश्व व्यापार संगठन के समझौतों में विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष सुविधाओं की मांग नहीं करेगा। चीन के रुख में यह

एक ऐसा बदलाव है। इसकी मांग अमेरिका लंबे समय से कर रहा था। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यह कदम ऐसे समय में वैश्विक व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने का प्रयास है, जब यह टैरिफ युद्धों और अलग-अलग देशों द्वारा आयात को प्रतिबंधित करने के संरक्षणवादी कदमों से खतरे में है। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया, न ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस वर्ष चीन सहित कई अन्य देशों पर टैरिफ लगाए जाने का उल्लेख किया। अमेरिका लंबे समय से यह तर्क देता रहा है कि चीन को विकासशील देश का दर्जा छोड़ देना चाहिए क्योंकि वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विश्व व्यापार संगठन में इस दर्जे के फायदों में आयात के लिए अपने बाजार खोलने की कम जरूरतें और बाजार खोलने के ऐसे कदमों को लागू करने के लिए लंबी संक्रमण अवधि शामिल है। विश्व व्यापार संगठन वैश्विक व्यापार वार्ता के लिए एक मंच प्रदान करता है और समझौतों को लागू करता है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता कम हो गई है, जिसके कारण सुधार की मांग उठ रही है। जिनेवा स्थित संगठन के प्रमुख ने चीन के इस कदम को ₹डब्ल्यूटीओ सुधार के लिए एक बड़ी खबर₹ बताया और एक्स पर एक पोस्ट में देश के नेताओं की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने लिखा, ₹यह कई वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।₹ चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में चीन द्वारा आयोजित विकास मंच को संबोधित करते हुए इस परिवर्तन की घोषणा की। चीन एक मध्यम आय वाला देश है और वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यह विकासशील दुनिया का हिस्सा बना हुआ है। हालांकि, अब यह अन्य देशों के लिए सड़क, रेलवे, बांध और अन्य प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण के लिए ऋण और तकनीकी सहायता का स्रोत बन गया है। ये प्रोजेक्ट्स अक्सर चीन की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों की ओर से संचालित होते हैं।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति को तमिल पार्टी का पत्र, वादों को अनदेखा करने पर जताई चिंता; बातचीत की मांग

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर श्रीलंका की प्रमुख तमिल पार्टी तमिल अरासु कच्ची (आईटीएके) ने उन्हें एक पत्र लिखा है। इसमें पार्टी ने तमिल संबंधित जो भी राष्ट्रीय स्तर के अहम मुद्दे हैं उसपर बातचीत करने की मांग उठाई है। बता दें कि दिसानायके ने 23 सितंबर 2024 को भारी जीत के बाद राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उनकी पार्टी नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में स्थानीय सरकारों को अधिक अधिकार देने और एक नया संविधान लाने का वादा किया था। श्रीलंका में तमिल लोगों की प्रमुखता से आवाज उठाने वाली आईटीएके पार्टी ने अपने 22 सितंबर को लिखे पत्र में राष्ट्रपति दिसानायके के चुनावी घोषणापत्र का जिक्र किया। पत्र में कहा गया कि आपके राष्ट्रपति (दियानायके) कार्यभार संभालने को एक साल हो गया है। आपने चुनाव प्रचार और बाद में भी इस गंभीर मुद्दे को हल करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पार्टी ने यह भी बताया कि उसने आठ सदस्यों की एक समिति बनाई है जो राष्ट्रपति से इस मुद्दे पर बातचीत शुरू करेगी। संविधान सुधार की दिशा में क्या-क्या हुआ? श्रीलंका की एनपीपी सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नालिंदा जयतिसा ने भी हाल ही में यह स्वीकार किया कि संविधान सुधार को लेकर अब तक कोई काम नहीं हुआ है। सरकार ने पहले वादा किया था कि स्थगित प्रांतीय परिषद चुनाव एक साल के भीतर कराए जाएंगे, लेकिन अब उसमें और देरी की घोषणा कर दी गई है।

आतंकी पन्नू के खिलाफ केस दर्ज

PM को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने के लिए 11 करोड़ का रखा था इनाम

ठाणे (एजेंसी)। एनआईए ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पन्नू ने पाकिस्तान में आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए भारत के पंजाब राज्य की संप्रभुता को चुनौती दी और खालिस्तान का प्रचार किया था। उसने 15 अगस्त 2025 को लाल किले पर पीएम मोदी को तिरंगा फहराने से रोकने के लिए सिख सैनिकों को 11 करोड़ रुपये देने की पेशकश भी की थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत सिंह पन्नू और अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धाराएं लगाई गई हैं। यह प्राथमिकी 19 अगस्त को दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में कहा गया है कि पन्नू ने 10 अगस्त 2025 को पाकिस्तान के लाहौर प्रेस क्लब में 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें उसने वॉशिंगटन से वीडियो लिंक के जरिए पत्रकारों को संबोधित किया। उसके भाषण का मुख्य विषय पंजाब पर भारत की संप्रभुता को नकारना और खालिस्तान का प्रचार करना था। अपने संबोधन में पन्नू ने 15 अगस्त 2025 को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने वाले सिख सैनिकों को 11 करोड़ रुपये का इनाम देने की पेशकश की। साथ ही उसने सिख फॉर जस्टिस 'दिल्ली बनेगा

पाकिस्तान' रेफरेंडम नक्शा भी जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को खालिस्तान में शामिल दिखाया गया है। कौन है गुरपतवंत सिंह पन्नू? मेरे बेटा अब बड़ा वकील बन चुका है। कनाडा में उसकी बड़े-बड़े लोगों से जान पहचान हो गई है। बात उन दिनों की है, जब आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की मां जिंदा था और गांव में ठेके पर दी गई जमीन के पैसे लेने आती थी। यहां के लोगों का कहना है कि वह यहां आकर बताती थी कि उसका बेटा कनाडा में बड़ा वकील बन गया है। इससे पता चलता है कि पन्नू की मां भी नहीं चाहती थी वह आतंकी कहलाए। पन्नू ने अपनी मां ही नहीं देश के अरमानों को भी चोट पहुंचाई है। खानकोट गांव अमृतसर-जंडियाला गुरु जीटी रोड में स्थित कस्बा दबूरजी के साथ बहती अपर दोआबा नहर के किनारे के अंतिम छोर में बसा है। गांव की तरफ जाने वाली तंग सड़क के किनारे बह रही नहर की ओर से आने वाले ठंडी हवा के झोंके राहत देने वाले हैं। लेकिन इस गांव में पैदा हुए आतंकी गुरपतवंत सिंह की करतूतों से ग्रामीण भी स्तब्ध थे, जब उन्हें इस बात की जानकारी मिली है कि देश की अखंडता को तोड़ने की साजिश रचने वाला पन्नू उनके गांव का रहने वाला है।

असम राइफल्स काफिले पर हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद; घात लगाकर किया गया था हमला

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में 19 सितंबर को असम राइफल्स के काफिले पर हमला किया गया था, जिसमें दो जवान बलिदान हो गए थे और पांच घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में आज पांच दिन बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स के काफिले पर हुए घात लगाकर हमले के मुख्य आरोपी को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे और पांच अन्य घायल हुए थे। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर जिला पुलिस, 33 असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों ने बुधवार तड़के करीब एक बजे कामेंग इलाके में विशेष अभियान चलाया गया। आरोपी ने कबूली हमले की बात इस दौरान 47 वर्षीय खोमद्राम ओजित सिंह उर्फ केइलाल को पकड़ा गया। पुलिस की पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह पीएलए का जमानत पर बाहर आया सदस्य है और सीधे तौर पर 19 सितंबर के हमले में शामिल था। उसकी निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल किए गए बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी असम राइफल्स कर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद, अन्य व्यक्तियों के साथ लोकतक झील की ओर भाग गया और अपने हथियार और गोला-बारूद को एक गुप्त स्थान पर छिपा दिया था। पुलिस ने बताया कि बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। कब-कहां और कैसे हुआ था हमला? यह हमला शाम करीब 6 बजे बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लीकाई इलाके में हुआ था। असम राइफल्स के जवानों का वाहन इंफाल से बिष्णुपुर की ओर जा रहा था। तभी घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अचानक काफिले पर फायरिंग शुरू कर दी थी। गुवाहाटी के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, 33 असम राइफल्स के जवानों की एक वाहन-आधारित टुकड़ी अपने पटसोई कंपनी ऑपरेटिंग बेस से नाम्बोल कंपनी ऑपरेटिंग बेस की ओर बढ़ रही थी।

मुंबई से पहलगाम हमले तक..., फैजा रिफत ने वैश्विक आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को दिया दो टूक संदेश

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जयपुर की फैजा रिफत ने भारत की बहुलवाद और आतंकवाद के खिलाफ उसकी मजबूत प्रतिबद्धता को जोरदार ढंग से पेश किया। उन्होंने मुंबई और पहलगाम हमलों का जिक्र कर पाकिस्तान पर निशाना साधा और कहा कि ये आतंकी हमले केवल भारत पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमले हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र में राजस्थान की फैजा रिफत ने जोरदार तरीके से भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। जिनेवा में मौजूद प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रिफत ने कहा कि भारत का लोकतंत्र विविधता में एकता के सिद्धांत पर मजबूती से टिका है, जिसने एक ही देश में कई संस्कृतियों, धर्मों और भाषाओं को एक साथ फलने-फूलने का असवर दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हर व्यक्ति को विचार, विश्वास और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, जिससे भारत वास्तव में बहुलवाद का जीवंत उदाहरण है। रिफत ने भारत की सबको साथ लेकर चलने की परंपरा की सराहना की और आतंकवाद से पैदा हुई अस्थिरता और खतरों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने 2008 के मुंबई हमलों और हाल के पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं याद दिलाती हैं कि हिंसा किस तरह शांति को खत्म कर देती है, निर्दोष लोगों की जान लेती है और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा, ये हमले केवल भारत पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमले हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जनता की सहिष्णुता, मानवाधिकारों और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को लेकर प्रतिबद्धता बनी हुई है।

चार्ली किर्क को शहीद बताने पर गहराया विवाद, अश्वेत पादरियों ने जताया एतराज; नस्लवाद और हिंसा पर जताई चिंता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कंजर्वेटिव कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बाद उन्हें 'ईसाई धर्म का शहीद' बताने को लेकर गहरा विवाद छिड़ गया है। खासकर अश्वेत चर्चों के पादरी इस बात का जोरदार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि किर्क की हत्या दुखद जरूर है, लेकिन यह उनके जीवनभर के बयानों और कार्यों को पवित्र या सही नहीं ठहरा सकती। चार्ली किर्क की हत्या का मामला और उसके बाद हुई प्रतिक्रियाओं ने अमेरिका में राजनीति, नस्ल और धर्म की खाई को एक बार फिर उजागर कर दिया है। बीते रविवार को एक तरफ एरिजोना के बड़े फुटबॉल स्टेडियम में हजारों लोग इकट्ठा होकर

किर्क को श्रद्धांजलि दे रहे थे, तो दूसरी तरफ देशभर के अश्वेत चर्चों में पादरी उनके विचारों और भाषणों की कड़ी आलोचना कर रहे थे। मौत, गलतियों को नहीं धो सकती- अश्वेत चर्च का संदेश वर्जीनिया के प्रसिद्ध अल्फ्रेड स्ट्रीट बैपटिस्ट चर्च के पादरी रेव. हावर्ड-जॉन वेस्ले ने अपने ऑनलाइन प्रवचन में कहा, 'चार्ली किर्क की हत्या नहीं होनी चाहिए थी। किसी के विचारों का जवाब हिंसा नहीं है। लेकिन मैं यह देखकर दुखी हूं कि देशभर में झंडे आधे झुका दिए गए हैं और उन्हें ऐसा व्यक्ति बताया जा रहा है जिसने ईसाई धर्म के लिए बलिदान दिया। सच्चाई यह है कि उन्होंने जीवनभर नफरत और विभाजन फैलाया।' वेस्ले का यह उपदेश सोशल मीडिया पर लाखों बार देखा गया। उन्होंने कहा कि 'कैसे आप जीते हैं, वही आपकी असली पहचान है। मौत उसे नहीं बदल सकती।' अश्वेत पादरियों का चार्ली किर्क पर आरोप चार्ली किर्क की छवि कंजर्वेटिव और ईसाई राष्ट्रवादी आंदोलन के बड़े नेता के रूप में थी। लेकिन अश्वेत पादरियों का आरोप है कि उन्होंने अपने मंच का इस्तेमाल अश्वेत लोगों, अप्रवासियों, मुस्लिमों, महिलाओं और एलजीबीटीक्यू+ समुदाय को नीचा दिखाने के लिए किया। न्यूयॉर्क की मिडल कोलेजिएट चर्च की पादरी रेव. जैक्वी लुईस ने कहा, 'सदियों से सत्ता ने धर्म का इस्तेमाल नस्लवाद और भेदभाव को सही ठहराने के लिए किया है। चार्ली किर्क की विचारधारा भी उसी परंपरा का हिस्सा है। यह ईसाई धर्म नहीं, बल्कि यीशु के नाम पर लिपटा हुआ श्वेत राष्ट्रवाद है।' विशाल सभा, राजनीतिक संदेश जोएल बोमन ने कहा, 'यह देखना चिंताजनक है कि ईसाई प्रतीकों और दक्षिणपंथी राजनीति को इस तरह मिलाया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में यह 'क्रिश्चियन नेशनलिज्म' की पहचान बन गया है।' मार्टिन लूथर किंग से तुलना पर नाराजगी वहीं चार्ली किर्क के समर्थकों ने उनकी तुलना नागरिक अधिकारों के महान नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर से की। लेकिन अश्वेत पादरियों ने इसे बेहद आपत्तिजनक करार दिया। जॉर्जिया के न्यू बर्थ मिशनरी बैपटिस्ट चर्च के पादरी रेव. जमाल ब्रायंट ने अपने प्रवचन में कहा, 'कैसे कोई चार्ली किर्क को मार्टिन लूथर किंग से तुलना कर सकता है? दोनों में एकमात्र समानता यह है कि दोनों को श्वेत व्यक्ति ने मारा।

संयुक्त राष्ट्र में गूंजा 'ओम शांति, शांति ओम'; इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने ऐसे खत्म किया अपना संबोधन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने दुनिया से शांति, न्याय और समान अवसर की अपील की। अपने 19 मिनट के संबोधन के अंत में उन्होंने संस्कृत मंत्र 'ओम शांति, शांति, शांति ओम' का उच्चारण कर पूरी दुनिया को सौहार्द्र और एकजुटता का संदेश दिया। अपने भाषण के दौरान राष्ट्रपति सुबियांतो ने गाजा और फलस्तीन में जारी हिंसा और मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने घोषणा की कि इंडोनेशिया शांति स्थापना में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा- 'इंडोनेशिया 20000 या उससे भी अधिक सैनिकों को गाजा और फलस्तीन में शांति स्थापित करने के लिए भेजने को तैयार है।' सुबियांतो ने यह भी बताया कि आज इंडोनेशिया दुनिया में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का एक बड़ा योगदानकर्ता देश है और वह सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि सक्रिय सैनिकों की तैनाती के जरिए शांति स्थापित करने के लिए काम करता रहेगा। दो-राष्ट्र समाधान पर दिया जोर राष्ट्रपति ने इस्राइल-फलस्तीन विवाद का हल दो-राष्ट्र समाधान में बताया। उन्होंने कहा कि फलस्तीन और इस्राइल, दोनों को स्वतंत्र, सुरक्षित और आतंकवाद व खतरों से मुक्त राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गाजा में निदोर्षों पर हो रही तबाही को रोका नहीं गया, तो दुनिया 'अंतहीन युद्ध और बढ़ती हिंसा' के बहुत खतरनाक दौर में प्रवेश कर जाएगी। सुबियांतो ने कहा, 'हिंसा किसी भी राजनीतिक संघर्ष का समाधान नहीं हो सकती, क्योंकि हिंसा केवल और अधिक हिंसा को जन्म देती है।' उन्होंने दोनों समुदायों से सुलह की अपील करते हुए कहा कि अरब, यहूदी, मुस्लिम और ईसाई, सभी को एक साथ शांति और सद्भावना के साथ जीना होगा। वैश्विक संदेश- सौहार्द्र और एकता का आह्वान राष्ट्रपति सुबियांतो ने अपने भाषण में चेताया कि 'इंसान की मूर्खता, जो डर, नस्लवाद, घृणा, उत्पीड़न और रंगभेद से प्रेरित है, हमारी साझा भविष्य को खतरे में डाल रही है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पूरी दुनिया की जिम्मेदारी है कि वह एक निर्णायक कदम उठाए और निदोर्षों को बचाए। अंत में उन्होंने दुनिया के सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करते हुए बहुधार्मिक अभिवादन दिया।

गाजा की नाकाबंदी तोड़ने निकले कार्यकर्ताओं के काफिले पर ड्रोन हमला

कई नौकाएं हुई क्षतिग्रस्त

एथेंस (एजेंसी)। गाजा की नाकाबंदी को चुनौती देने वाला समुद्री प्रयास एक बार फिर खतरे में है। हमले से यह साफ है कि गाजा तक सहायता पहुंचाने का रास्ता आसान नहीं है। इस्राइल ने सोमवार को कहा था, 'वो किसी भी जहाज को सक्रिय युद्ध क्षेत्र में प्रवेश करने या कानूनी नौसैनिक नाकाबंदी तोड़ने की अनुमति नहीं देगा।' गाजा पट्टी की इस्राइली नाकाबंदी को तोड़ने के लिए रवाना हुए अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं के बेड़े (फ्लोटिला) पर मंगलवार देर रात ड्रोन से हमला हुआ। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह

हमला ग्रीस के दक्षिणी समुद्री क्षेत्र में हुआ। ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला नाम के इस काफिले के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके संचार सिस्टम को जाम कर दिया गया और कम से कम 13 धमाकों की आवाजें सुनी गईं। उनका दावा है कि ड्रोन या विमान से अज्ञात वस्तुएं 10 से अधिक नौकाओं पर गिराई गईं। हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं हालांकि, इस हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई नौकाएं क्षतिग्रस्त हुईं और संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। सोशल मीडिया पर फ्लोटिला ने एक छोटा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक नौका के पास विस्फोट होता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रीस के तटरक्षक बल ने बताया कि उन्हें कोई आपातकालीन कॉल प्राप्त नहीं हुई। इस्राइली सेना ने इस घटना पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। क्या ले जा रहा है यह काफिला? इस बेड़े में अलग-अलग देशों से आई दर्जनों नौकाएं शामिल हैं। ये नौकाएं प्रतीकात्मक मात्रा में खाद्य सामग्री और दवाइयां गाजा के लोगों के लिए ले जा रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय का आरोप है कि इस अभियान का आयोजन करने वालों का संबंध हमास से है। मंत्रालय का कहना है कि कार्यकर्ताओं को गाजा जाने की बजाय इस्राइल के अशके लोन बंदरगाह पर सामान उतार देना चाहिए, जिससे इस्राइल की जांच के बाद मदद को गाजा तक पहुंचाया जा सके। काफिले में इतालवी सांसद भी शामिल इस काफिले में इटली के नागरिकों के साथ-साथ इतालवी संसद और यूरोपीय संसद के सदस्य भी शामिल हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।